website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 361 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 07 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सरकार हर मोर्चे पर सक्रिय : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानीवासियों को आश्वस्त किया कि सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर स्तर पर सक्रिय है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लगातार मिशन मोड में जारी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बिजली के खंभों पर मिस्ट लगाने का काम जारी है, जो वायु में प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने बताया, "धुआं, धूल, वाहन उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाना और लकड़ी जलान ये सभी मिलकर हवा में प्रदूषण की परत बनाते हैं। दिल्ली सरकार प्रत्येक तत्व पर काम कर रही है जो प्रदूषण को बढ़ाता है। मिस्ट लगाने का काम जारी है। सरकार हर मोर्चे पर सक्रिय है।" उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी पोस्ट करते हुए बताया कि शहर के रिंग रोड की सफाई के लिए सैकड़ों स्प्रिंकलर वाहन काम कर रहे हैं। यह सफाई नियमित अंतराल पर हो रही है, जिससे धूल और प्रदूषण कम करने में मदद मिल रही है। उन्होंने लिखा, "दिल्ली में पहली बार सैकड़ों स्प्रिंकलर वाहन रिंग रोड की सफाई कर रहे हैं। हमारा मिशन सभी के लिए है- प्रदूषण नियंत्रण। हमारी सरकार हर स्तर पर पूरी सतर्क और प्रतिबद्ध है। यह पहल वायु गुणवत्ता सुधारने और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने की सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।" इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट द्वारा सिविल लाइंस के खैबर पास स्क्वायर में आयोजित रोड-क्लीनिंग और वॉशिंग अभियान में सक्रिय भाग लिया। इस अभियान में कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रज सिंह और विधायक सूर्या प्रकाश खत्री ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि नियमित रोड वॉशिंग, यांत्रिक सफाई और ग्राउंड मॉनिटरिंग को पूरी गंभीरता और तेजी से किया जा रहा है। हालांकि, शनिवार की सुबह राष्ट्रीय राजधानी में घातक स्मॉग छाया रहा, और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार सुबह 7 बजे औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 333 दर्ज किया गया, जो "बहुत खराब" श्रेणी में आता है। कई क्षेत्रों जैसे ग़ाज़ीपुर मंडी, आनंद विहार और वजीरपुर में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम रही।

PM मोदी द्वारा पुतिन को भगवद्गीता भेंट पर कांग्रेस का तंज

-हुसैन दलवाई बोले– 'तो फिर कुरान, बाइबिल और गुरु ग्रंथ साहिब भी देते'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट किए जाने पर सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हुसैन दलवाई ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें धर्म की राजनीति नहीं लानी चाहिए थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर भगवद्गीता दी गई, तो कुरान शरीफ, बाइबिल और गुरु ग्रंथ साहिब भी दिए जाने चाहिए थे।

भगवद्गीता भेंट करने के मकसद पर सवाल

न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने कहा, "रूसी राष्ट्रपति पुतिन को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट करने का मकसद मेरी समझ में नहीं आया। मैं इस पर ज्यादा नहीं कहना चाहता, लेकिन अगर भगवद्गीता दी गई है, तो उसके साथ कुरान शरीफ, बाइबिल और गुरु ग्रंथ साहिब भी दिए जाने चाहिए थे।"

उन्होंने आगे कहा कि भगवद्गीता के साथ महाभारत की किताब भी भेंट की जा सकती थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी की टिप्पणी

रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए दलवाई ने कहा कि रूस ने युद्ध में कई लोगों की जान ली है। संभव है कि प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में राष्ट्रपति पुतिन को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की हो, ताकि उन्हें इस पर विचार करने का संदेश दिया जा सके।

पुतिन के भारत दौरे और पुराने संबंधों का जिक्र

हुसैन दलवाई ने रूसी राष्ट्रपति के भारत दौरे को लेकर कहा कि भारत और रूस के संबंध नेहरू के समय से मजबूत रहे हैं। इंदिरा गांधी के दौर में भी दोनों देशों के बीच संधि हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय पाकिस्तान के साथ युद्ध में रूस ने भारत की मदद की थी। उन्होंने कहा कि अगर भारत-रूस के संबंध और मजबूत हो रहे हैं, तो यह अच्छी बात है।

बाबरी मस्जिद बयान पर भी प्रतिक्रिया

इसके अलावा, हुसैन दलवाई ने हुमायूं कबीर के 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद को लेकर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह बयान जानबूझकर दिया गया था। दलवाई ने दावा किया कि 6 दिसंबर को पूरे देश में बाबासाहेब आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है और इसी महत्वपूर्ण दिन के महत्व को कम करने के लिए अतीत में मस्जिद ध्वस्त की गई थी।

बिहार में अब पुलिस की मनमानी पर लगेगी लगाम

-डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने लॉन्च किया सिटीजन सर्विस पोर्टल

पटना। बिहार में कानून-व्यवस्था को मजबूत और पारदर्शी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्री और डिप्टी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार (6 दिसंबर) को पुलिस मुख्यालय में सिटीजन सर्विस पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए अब पुलिस से जुड़ी कई सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध होंगी, जिससे लोगों को थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

घर बैठे मिलेंगी पुलिस से जुड़ी सेवाएं

पोर्टल लॉन्च करते हुए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि नागरिकों को पुलिस से जुड़ी सभी जरूरी सेवाएं घर बैठे मिलें। अब पुलिस सत्यापन, शिकायत दर्ज कराने या खोया-पाया से जुड़ी सूचना देने के लिए लोगों को थाने जाना नहीं पड़ेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब थानों में मनमानी नहीं चलेगी, हर प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी होगी।

एक ही मंच पर मिलेंगी कई सुविधाएं

नए सिटीजन सर्विस पोर्टल के माध्यम से नागरिक ऑनलाइन पुलिस वेरिफिकेशन, ई-शिकायत दर्ज करना, दस्तावेज या सामान खोने की रिपोर्ट जैसी कई सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, पोर्टल पर दर्ज होते ही शिकायत सीधे संबंधित थाना तक पहुंच जाएगी। प्रारंभिक जांच के बाद यदि मामला सही पाया गया तो एफआईआर भी ऑनलाइन दर्ज की जा सकेगी।

शिकायत का स्टेटस रियल टाइम में मिलेगा

इस पोर्टल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शिकायतकर्ता अपने आवेदन की स्थिति वास्तविक समय में देख सकेगा। इससे न सिर्फ लोगों के

समय, ऊर्जा और पैसे की बचत होगी, बल्कि पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी। कार्यक्रम के दौरान बिहार के डीजीपी विनय कुमार, एडीजी कुंदन कृष्णन समेत पुलिस मुख्यालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने इसे डिजिटल पुलिसिंग की दिशा में अहम कदम बताया।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में जुटे सम्राट चौधरी

गृह मंत्री सम्राट चौधरी लगातार बिहार की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में सक्रिय हैं। वे पुलिस विभाग के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। शुक्रवार, 5 दिसंबर को उन्होंने विशेष शाखा, CID, STF और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर त्वरित कार्रवाई, पारदर्शिता और बेहतर समन्वय पर जोर दिया था।

सरकार का कहना है कि आने वाले समय में सिटीजन सर्विस पोर्टल पर और भी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। इससे आम नागरिकों को पुलिस सेवाओं का अधिकतम लाभ मिलेगा और बिहार की पुलिस व्यवस्था पहले से ज्यादा सशक्त, आधुनिक और भरोसेमंद बन सकेगी।

बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर सीएम योगी की श्रद्धांजलि

-समानता व न्याय आधारित समाज के लिए की अहम घोषणाएं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि समानता और न्याय पर आधारित समाज बनाना ही हमारी सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि बाबा साहब के विचार भारतीय लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं और आज भी हर कमजोर वर्ग को प्रेरणा देते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज में असमानता और भेदभाव के खिलाफ बाबा साहब का संघर्ष सभी के लिए मार्गदर्शक है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उन राजनीतिक दलों की आलोचना भी की, जो तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी नीतियां देश के हित में नहीं हैं और यह बाबा साहब के आदर्शों का अपमान है। योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार सामाजिक न्याय और समानता पर आधारित काम करती है और हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने घोषणा की कि राज्य सरकार अगले एक से दो महीनों के भीतर सभी चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों और सफाई कर्मियों को न्यूनतम मानदेय का लाभ दिलाएगी। उन्होंने कहा कि यह कदम श्रमिकों के सम्मान और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करेगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में जहां भी बाबा साहेब की मूर्तियां स्थापित हैं, वहां सरकार सुरक्षित बाउंड्री का निर्माण कराएगी, ताकि किसी भी शरारती तत्व द्वारा मूर्तियों को नुकसान न पहुंचाया जा सके। सीएम योगी ने एक्स पोस्ट पर भी लिखा कि बाबा साहेब के विचार और सिद्धांत भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने जिस समाज का सपना देखा था, वह आज भी सबके लिए मार्गदर्शक है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी लखनऊ में बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने भगवान महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि दी और कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्य मंत्री असीम अरुण, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, महापौर सुषमा खर्कवाल और अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद निर्माण को लेकर सियासी बवाल, हुमायूं कबीर का दावा– 'हमें प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद की नींव रखने के ऐलान के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। कबीर के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग सिर पर ईंट लेकर सड़कों पर निकल पड़े हैं। हुमायूं कबीर ने कहा कि हालात पूरी तरह ठीक हैं और दोपहर 12 बजे तक इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तय समय पर कुरान की तिलावत की जाएगी, जिसके बाद मस्जिद निर्माण के लिए शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रशासन के सहयोग का दावा

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि इस पूरे आयोजन को जिला प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है। उनके अनुसार, मुर्शिदाबाद जिला पुलिस और राज्य पुलिस इस कार्यक्रम को समर्थन दे रही है। कबीर ने इसके लिए पुलिस और प्रशासन का धन्यवाद भी किया है। उनके इस दावे के बाद मामला और ज्यादा तूल पकड़ता जा रहा है।

बंगाल की राजनीति में उबाल

हुमायूं कबीर के इस फैसले और बयान के सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में जबरदस्त हलचल मच गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और हुमायूं कबीर की आलोचना करते हुए उन पर सीधा हमला बोला है। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह पूरी कवायद राजनीतिक फायदे के लिए की जा रही है।

भाजपा ने साधा निशाना

भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने हुमायूं कबीर पर आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे नेता सिर्फ अपनी सियासी रोटी सेंकने के लिए इस तरह के कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिम वोट बैंक को साधने की घृणित कोशिश है। दिलीप घोष ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी के अंदरूनी संघर्ष के कारण पश्चिम बंगाल में इस तरह की परिस्थितियां पैदा हो रही हैं।

दिलीप घोष का तीखा तंज

भाजपा नेता दिलीप घोष ने हुमायूं कबीर पर तंज कसते हुए कहा कि कबीर अब तक कई राजनीतिक दलों में शामिल हो चुके हैं। अगर उन्हें राजनीति करनी ही है, तो उन्हें एक नई पार्टी बना लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हुमायूं कबीर को मुसलमानों की भलाई और उनके उत्थान के बारे में सोचना चाहिए, न कि केवल उनके वोट हासिल करने और अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के विवादित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में अब श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है, ऐसे में बाबरी मस्जिद के मुद्दे को अब भूल जाना चाहिए।

महापरिनिर्वाण दिवस पर अखिलेश यादव का सख्त संदेश, कहा– 'संविधान पर बहस लोकतंत्र के संकट का संकेत'

लखनऊ। डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश का असली नारा "जय जवान, जय किसान, जय संविधान" होना चाहिए। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि संसद में संविधान की रक्षा को लेकर बहस होना ही लोकतंत्र के लिए एक दुखद संकेत है। यही हालात इस बात को तय करते हैं कि लोकतांत्रिक ढांचा संकट में है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान कोई साधारण किताब नहीं, बल्कि देश की बुनियाद है। अगर संविधान कमजोर होगा, तो लोकतंत्र भी कमजोर होगा और इसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ेगा।

क्या बोले अखिलेश यादव?

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जो लोग संविधान को कमजोर करना चाहते हैं, वे देश को एकतंत्र की ओर धकेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान जनता को अधिकार देता है और जो भी ताकतें लोगों से उनके अधिकार छीनना चाहती हैं, वे संविधान विरोधी हैं। अखिलेश ने कहा कि संविधान लोकतंत्र का कर्म ग्रंथ है और इसलिए इसे बचाना देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी लिखा कि देश को 'मन विधान' से नहीं, बल्कि संविधान से चलना चाहिए।

संविधान ही रक्षा कवच है – अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान पीडीए का प्रकाश स्तंभ है। यही संविधान व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करता है और पीडीए समाज को शोषण और उत्पीड़न से बचाता है। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज के लिए संविधान आखिरी उम्मीद है। संविधान ही हमारा रक्षा कवच और हमारी ढाल है। उन्होंने कहा कि "संविधान है तो सुरक्षा है, संविधान है तो शक्ति है" और अंत में दोहराया कि "संविधान बचेगा, तभी न्याय बचेगा।"

इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द: हजारों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे, सरकार ने दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो एयरलाइंस के संचालन में आज शनिवार को भी भारी अव्यवस्था रही, जिसके कारण देशभर में हजारों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे रहे। मुंबई, गुवाहाटी, हैदराबाद और दिल्ली सहित कई बड़े हवाईअड्डों पर लंबी कतारें, भीड़ और अव्यवस्थित हालात देखने को मिले। इंडिगो ने शनिवार सुबह तक पूरे देश में 109 उड़ानें रद्द कीं, जिसमें 51 आगमन और 58 प्रस्थान शामिल हैं जिससे यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ गईं। दिल्ली एयरपोर्ट पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा, जहां 54 प्रस्थान और 52 आगमन सहित कुल 106 उड़ानें रद्द की गईं। हैदराबाद एयरपोर्ट के अनुसार, इंडिगो ने शनिवार के लिए कुल 69 उड़ानें रद्द की हैं, जिनमें 26 आगमन और 43 प्रस्थान शामिल हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में हालात सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहे। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई

अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर यात्रियों को घंटों इंतज़ार करना पड़ा। एक भारतीय सेना के जवान ने बताया कि उन्हें उड़ान रद्द होने की जानकारी समय पर नहीं मिली और परिवार के साथ वे एयरपोर्ट पर फंस गए। एक अन्य यात्री सुखचैन ने कहा कि उसकी 5 दिसंबर की शाम 6:30 बजे वाली उड़ान रद्द हुई, फिर उसे 6 दिसंबर को 11 बजे के लिए रीशेड्यूल किया गया, लेकिन वह उड़ान भी रद्द कर दी गई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भी दूरी-दूरी तक कतारें लगी रहीं। अंतरराष्ट्रीय उड़ान से मुंबई पहुँचे दीपेश श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी नागपुर की कनेक्टिंग फ्लाइट बिना सूचना रद्द कर दी गई। यात्री हृदयेश ने भीड़ के बीच लोगों से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की। उड़ानों की बड़े पैमाने पर रद्दीकरण के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) सक्रिय हो गया है और खासकर इंडिगो के लिए तात्कालिक सुधार उपाय लागू करने के आदेश जारी किए हैं। मंत्रालय के अनुसार, उड़ान शेड्यूल आधी रात तक स्थिर होना शुरू हो जाएगा और अगले कुछ दिनों में सेवाएँ सामान्य होने लगेंगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को ऑटोमैटिक फुल रिफंड मिलेगा और फंसे हुए यात्रियों को एयरलाइंस की ओर से होटल में ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रूप से लाउंज एक्सेस दिया जाएगा, जबकि देर से चल रही उड़ानों के यात्रियों को स्नैक्स और जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएँगी। मंत्रालय ने 24×7 कंट्रोल रूम भी सक्रिय कर दिया है, जो स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहा है। सरकार ने कहा कि DGCA द्वारा शुक्रवार को घोषित नियमों में छूट सहित सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उड़ानों की नियमितता बहाल की जा सके और यात्रियों की परेशानी कम हो।

गुजरात में संसद खेल महोत्सव 2025 का सफलतापूर्वक समापन

-अमित शाह ने खेल क्रांति को बताया सबसे बड़ा आंदोलन

नई दिल्ली । गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित 'संसद खेल महोत्सव 2025' के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह खेल उत्सव देशभर में खेल प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत मंच बन गया है। इस कार्यक्रम के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। शाह ने बताया कि करीब पांच वर्ष पहले शुरू किए गए इस महोत्सव ने आज 300 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में औसतन सवा लाख प्रतिभागियों को जोड़ दिया है, जिनमें विद्यार्थी, युवा और वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने खेल, फिटनेस और स्वास्थ्य को लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाने, प्रतिभाओं को पहचान देने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई है। शाह ने बताया कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में यह तीसरा खेल महोत्सव तीन चरणों में आयोजित किया गया 24 से 30 अक्टूबर को ग्रामीण/वार्ड स्तर, 6 से 14 नवंबर को विधानसभा स्तर और 21 नवंबर से 2 दिसंबर तक लोकसभा स्तर पर। इस बार कुल 1 लाख 57 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 87 हजार पुरुष और करीब 70 हजार महिला खिलाड़ी शामिल थीं। उन्होंने कहा कि अगले खेल महोत्सव में बेटियों की भागीदारी और जीत दोनों में बढ़ोतरी होनी चाहिए। इस बार 1 लाख 57 हजार प्रतिभागियों में से 8,500 से अधिक विजेता बने, लेकिन बाकी सभी खिलाड़ी भी हार से सीख लेकर आगे बढ़ने की नई इच्छा के साथ मैदान में लौटेंगे। उन्होंने कहा कि अंडर-9, अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17, ओवर-40, ओवर-50 और ओवर-60 इन सात आयु वर्गों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। अकेले सांणंद

में लगभग 59,000 खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, मल्लखंभ, स्विमिंग, योगासन, खो-खो, कबड्डी और वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अमित शाह ने कहा कि मोदी के 'खेलो गुजरात', 'खेल महाकुंभ', प्रतिभा खोज कार्यक्रमों, खेल विद्यालयों, अकादमियों और आधुनिक ट्रेनिंग सेंटरों की वजह से गुजरात देश का सबसे बड़ा खेल आंदोलन चलाने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने बताया कि वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिसे लगभग ₹800 करोड़ की लागत से बनाया गया है, अब एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल केंद्र बन चुका है, जहां खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएँ मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिल चुकी है और अहमदाबाद को 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी तैयार रहना होगा। शाह ने कहा कि जब भारत में ओलंपिक होंगे, गुजरात को सबसे अधिक पदक जीतने वाला राज्य बनना चाहिए और इसके लिए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और संस्थानों को अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएँ शुरू की हैं। वर्ष 2014 में खेल बजट केवल ₹800 करोड़ था, जो 2025 में बढ़कर करीब ₹4,000 करोड़ हो गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत ने 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में 15, 2018 में 26 और 2022 में 22 पदक जीते। एशियाई खेलों में भारत की उपलब्धियाँ 57 से बढ़कर 107 पदक तक पहुंची हैं, जबकि पैरा एशियन गेम्स में 33 की तुलना में अब 111 पदक जीतने में सफलता मिली है। शाह ने विश्वास जताया कि भारत जब ओलंपिक की मेजबानी करेगा, तब वह पदक तालिका में शीर्ष पाँच देशों में शामिल होगा। अमित शाह ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की और कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, टीम भावना, धैर्य और खेल भावना विकसित करते हैं। उन्होंने हर खिलाड़ी से पाँच पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने की भी अपील की, ताकि 'ग्रीन गांधीनगर मूवमेंट' को नई गति मिल सके।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

हवाई यात्रा का संकट: अव्यवस्था, महँगाई और नीतिगत असंतुलन का आईना

हवाई यात्रा की व्यवस्था का ठप होना केवल एक तकनीकी या प्रबंधन की विफलता नहीं है, बल्कि यह भारत के नागरिक विमानन क्षेत्र की गहरी संरचनात्मक समस्याओं को उजागर करता है। हाल ही में जिस तरह बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द हुईं, यात्रियों को घंटों-दिनों एयरपोर्ट पर फंसे रहना पड़ा और पायलटों की कमी सामने आई, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हवाई यात्रा का तेज़ विस्तार टिकाऊ और सुरक्षित तरीके से किया गया है। सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों में कुछ ढील जरूर दी, लेकिन जिन परिस्थितियों के कारण ये नियम बनाए गए थे, वे अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। ये नियम पायलटों की थकान कम करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाए गए थे। महज़ नियमों में ढील देने से वास्तविक समस्या हल नहीं होती। सवाल यह है कि क्या पायलटों पर काम का दबाव कम हुआ है, क्या उनकी संख्या पर्याप्त हुई है और क्या सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं हो रहा। जब देश की कुल हवाई यात्रियों का लगभग 63 प्रतिशत संभालने वाली एक बड़ी एयरलाइंस को पायलटों के अभाव में लगातार तीन दिन तक उड़ानें रद्द करनी पड़ती हैं, तो यह संकट किसी एक कंपनी का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम का संकट बन जाता है। हवाई यात्रा आज भी भारत में आम आदमी के लिए सस्ती नहीं है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्ययन के अनुसार भारत में औसतन एक यात्री को हवाई टिकट खरीदने के लिए अपनी 17 दिन की पगार खर्च करनी पड़ती है। इसके विपरीत अमेरिका में यह बोझ मात्र 1.1 दिन की आय के बराबर है और चीन में 3.7 दिन का। इसका सीधा मतलब यह है कि भारत में हवाई यात्रा अब भी एक महँगा साधन है। इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक एयरपोर्ट चार्जेस, एविएशन फ्यूल पर ऊँचे टैक्स और अन्य शुल्क हैं, जो अंततः यात्री किराए में जुड़ जाते हैं। सरकार यह तर्क देती रही है कि उसने एयरलाइंस को नए नियमों के अनुपालन के लिए पर्याप्त समय दिया था। यह भी कहा जाता है कि नियमों के कारण एयरलाइंस को घाटा हो रहा है। लेकिन यदि नियमों का पालन घाटे का सौदा था, तो बिना पर्याप्त पायलट और संसाधनों के उड़ानों की संख्या बढ़ाने का औचित्य क्या था। केवल प्रतिस्पर्धा या बाज़ार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सुरक्षा और स्थिरता से समझौता नहीं किया जा सकता। नागरिक विमानन मंत्री के अनुसार 2014 में जहाँ देश में लगभग 11 करोड़ घरेलू हवाई यात्री थे, वहीं 2025 तक इनकी संख्या बढ़कर 25 करोड़ हो गई। यह वृद्धि भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग और उनकी आकांक्षाओं को दर्शाती है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इस क्षेत्र को केवल आँकड़ों की सफलता के रूप में न देखे, बल्कि इसकी बुनियादी मजबूती पर भी ध्यान दे। चीन ने अपने नागरिक विमानन क्षेत्र को टैक्स में राहत देकर और लागत कम करके मजबूत बनाया है। भारत में भी यदि हवाई यात्रा को सचमुच एक जनसाधन बनाना है, तो टैक्स ढांचे में सुधार, ईंधन पर करों में कटौती और एयरलाइंस के लिए दीर्घकालिक स्थिर नीतियों की आवश्यकता है।

बदलती वैश्विक राजनीति के बीच भारत–रूस संबंध की मजबूती, रणनीतिक साझेदारी और समय की कसौटी पर खरी उतरती गहरी दोस्ती

-वैश्विक अस्थिरता, अमेरिका की नीतियां और ऊर्जा–रक्षा सहयोग में भारत–रूस रिश्तों की बढ़ती भूमिका

एक बदलती हुई दुनिया में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो परिस्थितियों के थपेड़ों से कमजोर नहीं पड़ते, बल्कि और मजबूत होकर उभरते हैं। भारत और रूस का संबंध ऐसा ही एक उदाहरण है। आज जब विश्व व्यवस्था बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब भारत–रूस की दोस्ती न सिर्फ प्रासंगिक बनी हुई है, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व के निर्माण में एक संतुलनकारी भूमिका भी निभा रही है।

बदलती वैश्विक तस्वीर और अस्थिरताएं

करीब एक दशक पहले तक विश्व व्यवस्था बहुपक्षीयता, मुक्त व्यापार, आर्थिक निर्भरता और जलवायु सुधार जैसे साझा वैश्विक प्रयासों पर आधारित थी। वैश्वीकरण को विकास का मंत्र माना जा रहा था। लेकिन हालिया वर्षों में हालात तेजी से बदले हैं। लाल सागर संकट, इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, अफगानिस्तान की अस्थिरता, अफ्रीका और पश्चिम एशिया में उठते संघर्ष, तथा कई देशों की आंतरिक राजनीतिक उथल-पुथल ने वैश्विक संतुलन को हिला कर रख दिया है। इन परिस्थितियों ने देशों को अपने राष्ट्रीय हितों पर फिर से गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर किया है। अब प्राथमिकता 'ग्लोबल गुड' से ज्यादा 'नेशनल इंटरेस्ट' बनती दिख रही है। परिणामस्वरूप, कई पुराने आर्थिक और कूटनीतिक सिद्धांतों की नए सिरे से व्याख्या हो रही है।

अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीति और वैश्विक व्यापार

2025 की सबसे उल्लेखनीय वैश्विक घटना अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीति रही। इस नीति ने न केवल वैश्विक व्यापार को अस्थिर किया, बल्कि कई उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं पर भी नकारात्मक असर डाला। अमेरिका ने यूरोपीय संघ, क्वाड, ब्रिक्स, एससीओ और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों की कार्यप्रणाली

पर सवाल उठाए और कई बार उन्हें चुनौती देने वाले कदम भी उठाए। इससे वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल बना। देशों को नए गठबंधन बनाने, वैकल्पिक बाजार खोजने, भुगतान प्रणालियों में विविधता लाने और अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की समीक्षा करने पर मजबूर होना पड़ा। ऐसे में वे नीतियां भी दोबारा चर्चा में आईं जिन्हें वैश्वीकरण के दौर में अप्रासंगिक समझ लिया गया था—जैसे रणनीतिक स्वायत्तता, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा और ऊर्जा सुरक्षा।

भारत पर टैरिफ दबाव और अमेरिका का दावा

इसी पृष्ठभूमि में अमेरिका ने यह दावा किया कि भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल का आयात रूस-यूक्रेन युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है और इसलिए भारत पर अधिक टैरिफ लगाए जाने चाहिए। यह तर्क न केवल कूटनीतिक रूप से असंतुलित था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियादी समझ के भी खिलाफ था। दो संप्रभु देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते उनके अपने राष्ट्रीय हितों से संचालित होते हैं। भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सस्ती और स्थिर ऊर्जा आपूर्ति किसी भी विकासशील देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। ऐसे में भारत का रूस से तेल आयात कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि व्यावहारिक आर्थिक निर्णय है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: आज़ादी से पहले की दोस्ती

भारत–रूस संबंधों की मजबूती का सबसे बड़ा प्रमाण उनकी ऐतिहासिक गहराई है। यह तथ्य अक्सर चौंकाता है कि भारत और रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) के बीच राजनयिक संबंध अप्रैल 1947 में ही स्थापित हो गए थे—यानी भारत की स्वतंत्रता से कुछ महीने पहले। आज़ादी के बाद सोवियत संघ ने भारत के औद्योगीकरण और आधारभूत संरचना विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भिलाई स्टील प्लांट, हेवी मशीन बिल्डिंग, ऊर्जा परियोजनाएं और तकनीकी संस्थानों की स्थापना में सोवियत सहयोग भारत के विकास मॉडल का अहम हिस्सा रहा।

सुरक्षा परिषद से युद्ध के मैदान तक

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सोवियत संघ और बाद में रूस ने कई मौकों पर भारत के पक्ष में वीटो का इस्तेमाल किया। यह समर्थन केवल कूटनीतिक ही नहीं था, बल्कि रणनीतिक भी था। 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों में रूस ने भारत का स्पष्ट समर्थन किया, जबकि पाकिस्तान को अमेरिका और चीन का समर्थन प्राप्त था। खासतौर से 1971 के युद्ध में सोवियत समर्थन ने भारत की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूती दी। उसी वर्ष हस्ताक्षरित 'भारत-सोवियत शांति, मैत्री और सहयोग संधि' ने इस रिश्ते को औपचारिक और दीर्घकालिक आधार प्रदान किया। 1966 का ताशकंद समझौता भी भारत-रूस संबंधों का यादगार अध्याय है, जिसमें सोवियत संघ ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की निर्णायक भूमिका निभाई।

शीत युद्ध के बाद भी कायम रही दोस्ती

सोवियत संघ के विघटन के बाद कई लोगों को लगा था कि भारत-रूस रिश्ते कमजोर पड़ जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोनों देशों ने समय की मांग के अनुसार अपने संबंधों को नए सिरे से परिभाषित किया। अक्टूबर 2000 में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच 'रणनीतिक साझेदारी' की घोषणा की गई। इसके बाद नियमित वार्षिक शिखर सम्मेलनों की परंपरा शुरू हुई, जिसने सहयोग को संस्थागत रूप दिया। हाल ही में मॉस्को में हुए 22वें शिखर सम्मेलन में 'भारत-रूस: स्थायी और विस्तृत साझेदारी' शीर्षक से संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। अब 23वीं शिखर बैठक के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दिल्ली आगमन इस बात का संकेत है कि दोनों देश इस संबंध को और ऊंचाई तक ले जाना चाहते हैं।

व्यापार और आर्थिक सहयोग: नए आयाम

भारत और रूस के रिश्तों का एक मजबूत स्तंभ व्यापार और आर्थिक सहयोग है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 68.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा कुछ ही वर्षों में कई गुना बढ़ा है, खासकर ऊर्जा व्यापार के कारण। दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, हीरे-सोना व्यापार, आईटी और स्टार्ट-अप सहयोग जैसे क्षेत्रों में नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं। राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी काम हो रहा है, जिससे डॉलर पर निर्भरता कम हो सके।

रक्षा सहयोग: रणनीतिक भरोसे की बुनियाद

भारत-रूस रक्षा सहयोग दशकों पुराना और गहरा है। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के बड़े हिस्से में रूसी मूल के प्लेटफॉर्म आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 6 दिसंबर 2021 को हस्ताक्षरित 2021-31 की सैन्य-तकनीकी सहयोग संधि इस संबंध को नई दिशा देती है। यह संधि न केवल हथियारों की खरीद तक सीमित है, बल्कि संयुक्त अनुसंधान, विकास, सह-उत्पादन और बिक्री-पश्चात सहायता पर भी केंद्रित है। ब्रह्मोस मिसाइल इसका सबसे सफल उदाहरण है, जिसे अब तीसरे देशों को निर्यात करने के अवसर भी खुल रहे हैं।

वैश्विक मंचों पर आपसी समर्थन

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी को रूस का निरंतर समर्थन मिलता रहा है। रूस खुले तौर पर यह मानता है कि वैश्विक शासन प्रणाली में भारत जैसी उभरती शक्ति की भूमिका अनिवार्य है। इसके अलावा ब्रिक्स, एससीओ और जी-20 जैसे मंचों पर भी भारत और रूस कई मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं—चाहे वह बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था हो, पश्चिमी आधिपत्य का संतुलन या विकासशील देशों की आवाज़ को मजबूत करना। दिल्ली में होने वाला भारत-रूस शिखर सम्मेलन केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक महत्व का भी बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इसकी व्यापक कवरेज इस बात का संकेत है कि दुनिया इस रिश्ते को गंभीरता से देख रही है। एक ऐसी दुनिया में जहां भरोसे की कमी, अस्थिर गठबंधन और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है।

6 दिसंबर डॉ. अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस

-समता, न्याय और मानवता के अग्रदूत- डॉ. भीमराव अंबेडकर

6 दिसंबर का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं है, बल्कि यह उस महामानव की स्मृति का दिन है जिसने सामाजिक असमानता, जाति व्यवस्था और मानव शोषण के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। यह दिन भारत के संविधान निर्माता, आधुनिक भारत के शिल्पकार, समाज सुधारक, मानवतावादी और क्रांतिकारी चिंतक डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जीवन केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं, बल्कि करोड़ों दलित-वंचित-पीड़ित समाज के संघर्ष, आशा और अधिकारों की कहानी है। 14 अप्रैल 1891 को महू (मध्यप्रदेश) में जन्मे डॉ. अंबेडकर का बचपन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बीता। समाज की उस क्रूर व्यवस्था ने उन्हें स्पर्श तक अछूत समझा, पानी के घड़े तक से हाथ न लगाने दिया। परंतु अंबेडकर का व्यक्तित्व उन अपमानों से टूटने वाला नहीं था, बल्कि उन अनुभवों ने उनके जीवन को दिशा दी-कि भारत का वास्तविक निर्माण शिक्षा, समान अधिकार और सामाजिक न्याय के बिना संभव नहीं। डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का सबसे शक्तिशाली हथियार माना। उनकी उपलब्धियां स्वयं में प्रेरणादायक हैं-कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कानून और अर्थशास्त्र की डिग्रियां, तथा अनेक विधाओं में शोध, लेखन और चिंतन। वे कहते थे-“शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।” यह संदेश आज भी हर शोषित, वंचित और न्याय के इच्छुक नागरिक के लिए मार्गदर्शन है। स्वतंत्र भारत के संविधान की रचना में डॉ. अंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने न केवल संविधान लिखा, बल्कि उसमें स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों को भारतीय समाज की आत्मा बना दिया। उन्होंने भारतीय संविधान को केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का घोषणा पत्र बनाया। अनुच्छेद 17 द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन, शिक्षा और अवसरों में समानता, दलित-वंचित समाज के लिए आरक्षण और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता-यह सब अंबेडकर की दूरदृष्टि और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनके शब्द आज भी प्रेरित करते हैं- “कानून और व्यवस्था उस समाज के लिए अनिवार्य है, जो प्रगति की राह पर अग्रसर है।” भारतीय समाज अपने प्रारंभिक काल से ही जातिगत व्यवस्था और भेदभाव की चुनौतियों से जूझता आ रहा है। अंबेडकर ने अपने संघर्ष के केंद्र में सामाजिक समानता को रखा और कहा कि कोई राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है जब उसके सभी नागरिक बराबरी के अवसर प्राप्त करें। आज भी समाज में जाति आधारित भेदभाव, लिंग असमानता, आर्थिक विषमता, और सामाजिक बहिष्कार जैसे मुद्दे मौजूद हैं। इनमें सुधार लाने के लिए अंबेडकर के विचार स्पष्ट मार्गदर्शन देते हैं। उनका यह संदेश-‘मैं किसी समाज की प्रगति को उस समाज में महिलाओं द्वारा प्राप्त स्थिति से मापता हूं’ आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लिंग आधारित हिंसा, असमान वेतन, और महिलाओं के सीमित अधिकारों की चुनौतियां बताते हैं कि अंबेडकर की समानता की अवधारणा को लागू करने की आवश्यकता आज भी उतनी ही तीव्र है। अंबेडकर का मानना था कि कोई समाज तभी महान बन सकता है जब उसमें सभी व्यक्तियों को सम्मान और समान अवसर मिले। उन्होंने जातिवाद, भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक विचार आंदोलन खड़ा किया। उनका यह कथन आज भी सामाजिक चिंतन का आधार है- “मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं, उसके कर्म और सोच से होती है।” उनका मानवतावादी दृष्टिकोण विश्वस्तरीय था। वे केवल भारत के दलितों की आवाज नहीं थे, बल्कि वैश्विक मानवाधिकार आंदोलन के प्रवर्तक थे। जीवन के अंतिम चरण में उन्होंने यह महसूस किया कि जातिगत अन्याय केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और धार्मिक सोच का परिणाम है। इसलिए 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने करोड़ों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार किया। उनका बौद्ध धर्म स्वीकारना केवल आध्यात्मिक कदम नहीं, बल्कि समानता और स्वाभिमान की क्रांति था। आज भारत तकनीकी रूप से समृद्ध हो रहा है, परंतु सामाजिक असमानता, जातिगत हिंसा, अन्याय और भेदभाव के रूप अब भी मौजूद हैं। ऐसे समय में डॉ.

अंबेडकर के विचार और भी अधिक आवश्यक हो जाते हैं। उनकी सोच हमें सिखाती है कि- समाज का विकास तभी संभव है जब सभी को बराबर अधिकार मिलें। संविधान का सम्मान ही लोकतंत्र की शक्ति है। शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज जागृति का आधार हैं। डॉ. अंबेडकर केवल इतिहास के महान नेता नहीं थे, वे एक ऐसी विचारधारा हैं जो समय, समाज और पीढ़ियों को दिशा देती रहेगी। उनका जीवन संदेश देता है कि संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने संविधान के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया। उनकी निगरानी में लिखा गया संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का दस्तावेज है। आज भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और शासन की जवाबदेही जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस होती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के इतिहास में उस प्रकाश-स्तंभ की तरह हैं, जिन्होंने अपने विचारों, संघर्षों और दूरदर्शी नेतृत्व से समाज को नई दिशा दी। वे केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, शिक्षक, विधिवेत्ता और सामाजिक क्रांतियों के जनक भी थे। उनके संदेश शिक्षा, समानता, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के इर्द-गिर्द घूमते हैं। आज, जब समाज तेजी से बदल रहा है, तब अंबेडकर के विचार पहले से भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देते हैं। डॉ. अंबेडकर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि समय से आगे सोचने वाले महान दूरदर्शी थे। उनके संदेश सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर आधारित हैं-और ये सभी मूल्य आज के भारत और विश्व में पहले से कहीं अधिक आवश्यक हैं। आधुनिक समाज में बदलती चुनौतियों, बढ़ती असमानताओं और लोकतांत्रिक संरचना के सामने खड़ी मुश्किलों के बीच अंबेडकर के विचार हमें सही दिशा दिखाते हैं। आज अंबेडकर की प्रासंगिकता केवल इसलिए नहीं है कि वे संविधान निर्माता थे, बल्कि इसलिए भी है कि उन्होंने मानवता को एक ऐसा रास्ता दिखाया, जिस पर चलकर हम एक बेहतर, न्यायपूर्ण और समानता पर आधारित समाज का निर्माण कर सकते हैं। उनकी विरासत हमें लगातार प्रेरित करती है कि हम न सिर्फ अपने लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए संघर्ष करें। 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इस संसार को विदा कहा और यह तिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन उनके महापरिनिर्वाण के साथ-साथ उनके विचारों, आदर्शों और योगदानों को याद करने का अवसर है। 6 दिसंबर का यह दिन हमें याद दिलाता है कि अंबेडकर भले ही शारीरिक रूप से इस दुनिया से विदा हो चुके हों, परंतु उनके विचार, सिद्धांत और मानवता के लिए उनका संघर्ष अमर है। आज, जब हम उन्हें श्रद्धा से नमन करते हैं, तो केवल पुष्प अर्पित करना ही पर्याप्त नहीं-बल्कि उनके सपनों के भारत को साकार करना हमारा सच्चा कर्तव्य है।(लेखक भारत अपडेट के संपादक हैं)

बाबूलाल नागा
पता-वार्ड नंबर 1, नागों का मोहल्ला, जोबनेर, जिला-जयपुर ग्रामीण

स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में जीता पहाड़ का दर्द

उत्तराखंड के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र में बसे लमचूला गाँव का दृश्यमान सौंदर्य किसी चित्र की तरह मन मोह लेता है। परंतु इन पहाड़ियों के भीतर एक ऐसी सच्चाई छिपी है जिसे देखना जितना ज़रूरी है उतना ही कष्टकारी भी। बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक से कई किलोमीटर दूर स्थित यह गाँव लगभग सत्रह सौ से अधिक लोगों का घर है, जिनमें अधिकांश अनुसूचित जनजाति से आते हैं। शांत वातावरण और सरल जीवनशैली इसे विशिष्ट बनाते हैं, किंतु इसी शांत दुनिया में एक गहरी समस्या निरंतर बनी हुई है। यह क्षेत्र आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा के इंतजार में है। गाँव में न अस्पताल है न ही कोई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जबकि स्वास्थ्य सुविधा किसी भी समाज की पहली आवश्यकता होती है। देश की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का जीवन ग्रामीण क्षेत्रों में व्यतीत होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ प्रतिशत महिलाएं और चालीस प्रतिशत किशोरियाँ समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं करा पातीं। पर्वतीय जिलों के लिए यह प्रतिशत और भी चिंताजनक हो जाता है जहाँ दूरी और परिवहन की कमी स्वास्थ्य सेवा को और कठिन बना देती है। लमचूला इसी स्थिति का एक उदाहरण है। यहाँ के लोग बीमारी की स्थिति में पंद्रह से तीस किलोमीटर दूर बैजनाथ या गरुड़ जाने को मजबूर हैं। यह यात्रा न केवल समय लेती है बल्कि आर्थिक दबाव भी डालती है। गाँव की युवा पीढ़ी इस स्थिति को गहराई से महसूस करती है। अठारह वर्षीय इंद्रा बताती है कि छोटी समस्या भी यहाँ बड़ी बन जाती है। मासिक चक्र में अनियमितता हो या चक्कर आना जैसी आम परेशानी, उन्हें गाँव के बाहर जाना पड़ता है। कई बार यह संभव नहीं होता तो वे दर्द सहकर चुपचाप इंतजार करती रहती हैं। किशोरावस्था वह समय होता है जब शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की देखभाल आवश्यक होती है। पोषण आहार से लेकर नियमित स्वास्थ्य जांच तक हर सुविधा बेहद महत्वपूर्ण होती है। परंतु लमचूला में किसी भी प्रकार की चिकित्सा सेवा का न होना इन युवतियों के लिए निरंतर चिंता का विषय है।

यह समस्या केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पैंसठ वर्ष की जाउली देवी को आंखों की धुंधली रोशनी के कारण चलना भी कठिन लगता है। वे बार बार इस बात का दुःख व्यक्त करती हैं कि इलाज के लिए दूर जाना उनके लिए लगभग असंभव है। किसी भी समाज में बुजुर्गों के लिए उपचार सबसे सहज उपलब्ध होना चाहिए क्योंकि उन्हें सबसे अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। पर यहाँ उनके पास न सुविधा है न विकल्प। कई परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर हैं। रोज मजदूरी करने वाले परिवारों के लिए इलाज का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। दीपा देवी बताती हैं कि जब बच्चे बीमार पड़ते हैं तो सबसे

पहले वे सफर के खर्च की चिंता करती हैं। दवा से पहले उन्हें यह सोचना होता है कि उस दिन घर का खाना कैसे बनेगा। यह सिर्फ दीपा देवी का अनुभव नहीं है। पूरे क्षेत्र में अनगिनत परिवार ऐसी ही चिंता में जीते हैं।

लमचूला के ग्राम प्रधान का कहना है कि आसपास बसे छोटे गाँवों के लोग भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। यदि लमचूला में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हो जाए तो पूरे क्षेत्र को राहत मिल सकती है। अभी उन्हें जखेडा स्थित एक केंद्र पर निर्भर रहना पड़ता है जिसकी क्षमता सीमित है और वहाँ भी भीड़ अधिक रहती है। ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधा की अनुपलब्धता के कारण कई बार लोग घरेलू उपचार पर निर्भर हो जाते हैं या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं। इससे स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य सुविधा केवल बीमार होने पर दवा तक सीमित नहीं होती। इसमें जागरूकता, रोकथाम, समय पर जांच और उचित सलाह शामिल होती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी महत्वपूर्ण होता है। कई रिपोर्ट बताती हैं कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच नहीं मिल पाती जिससे प्रसव संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। लमचूला जैसे गाँवों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जहाँ समय पर सुविधा नहीं मिलने के कारण परिवारों को गंभीर कठिनाई झेलनी पड़ी। यह केवल एक गाँव की पीड़ा नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लगभग पैंतीस प्रतिशत घरों के पास स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचने में आधे घंटे से अधिक समय लगता है। पर्वतीय क्षेत्रों में यह दूरी और समय कहीं अधिक बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षित मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र की उपलब्धता अनिवार्य है। पर लमचूला जैसे गाँव इस बुनियादी आवश्यकता से भी वंचित हैं। सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई गई हैं जिनका उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना है। परंतु योजनाओं का लाभ तभी मिलता है जब वे सही ढंग से लागू हों। कागजों में दर्ज योजनाएं गाँव के जीवन में बदलाव तब ही लाती हैं जब वे व्यवहारिक रूप से जमीन पर उतरती हैं। लमचूला के लोग आज भी उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं जब उनके गाँव में भी एक ऐसा केंद्र स्थापित होगा जहाँ हर व्यक्ति बिना भय और बिना अतिरिक्त खर्च के उपचार पा सकेगा। उनके लिए यह केवल सुविधा नहीं बल्कि जीवन रक्षक आवश्यकता है। इन पहाड़ों की मजबूती यहाँ के लोगों में भी दिखती है। कठिन परिस्थितियों में भी उनका धैर्य और सहनशीलता अद्‌त है। परंतु सहनशीलता का अर्थ यह नहीं कि वे अपनी बुनियादी जरूरतों को हमेशा दबाते रहें। अब समय आ गया है कि प्रशासन इस क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को समझें और स्वास्थ्य सुविधा को प्राथमिकता दे। यह किसी प्रदर्शन की मांग नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। हर व्यक्ति को उपचार पाने का वही अधिकार होना चाहिए जो शहरों में रहने वालों को मिलता है। लमचूला और ऐसे अनेक गाँव हमारे देश की वह तस्वीर हैं जो अक्सर नजरों से दूर रह जाती है। प्रकृति भले ही खूबसूरत हो पर जीवन केवल सुंदर दृश्यों से नहीं चलता। जीवन चलता है सुविधा के साथ, सुरक्षा के साथ और इस विश्वास के साथ की बीमारी की स्थिति में इलाज पास ही उपलब्ध है। लमचूला के लोग इसी विश्वास की प्रतीक्षा में हैं। उन्हें अब प्रतीक्षा नहीं समाधान चाहिए। पहाड़ का यह दर्द तभी कम होगा जब स्वास्थ्य सुविधा उनके गांव तक पहुंचेगी और उनका जीवन सुरक्षित और संतुलित बन सकेगा।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

निशा आर्य, गरुड़, उत्तराखंड

अम्बेडकर पुण्यतिथि पर कांग्रेस का संकल्प—संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशी, संगठन पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धांजलि प्रदान की। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान दिया तथा भारत में उनके दिये संविधान के आधार पर दलितों, पिछड़ों सहित सभी वर्गों को समानता का अधिकार एवं देश के लिये सरकार चुनने का अवसर लोकतंत्र के रूप में मिला है। दुर्भाग्य से आज ऐसे लोग देश की सत्ता पर काबिज हो गये हैं जो बाबा साहेब के संविधान को नहीं मानते हैं। भाजपा की केन्द्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर काबिज होकर लोकतंत्र की भावना के विपरीत कार्य कर रही है। चुनाव

आयोग, ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई का दुरूपयोग भाजपा सत्ता प्राप्ति के लिये कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने देश में संविधान बचाने हेतु जो जन जागरण किया उसी का परिणाम है कि 400 पार का नारा देकर संविधान बदलने की बात करने वाली भाजपा मात्र 240 पर रूक गई अन्यथा ये लोग देश से आरक्षण सहित लोकतंत्र को समाप्त कर देते। भाजपा की मंशा देश में लोकतंत्र के विपरीत ऐसी व्यवस्था कायम करने की है जिसके तहत् केवल एक दलीय शासन हो और जिसे ये चाहें वही शासन में आये, लोगों के वोट का अधिकार भी छीना जा रहा है। वोट चोरी करके सत्ता हथियाई जा रही है, धन-बल के आधार पर सरकारें गिराई जा रही है, यह सब कार्य भाजपा द्वारा लोकतंत्र की परम्पराओं के विपरीत किया जा रहा है, क्योंकि भाजपा संविधान में विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा कि आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के निर्वाण दिवस पर सभी कांग्रेसजन यही संकल्प लेते हैं कि देश में बाबा साहेब के संविधान की रक्षा करने हेतु तत्परता के साथ कार्य करेंगे और किसी भी कुर्बानी देने के लिये पीछे नहीं हटेंगे। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रृंद्धाजलि देते हुये कहा कि भाजपा का ना तो संविधान में विश्वास है और ना ही बाबा साहेब के प्रति उनके मन में श्रृद्धा है, इसीलिये जयपुर के अम्बेडकर सर्किल पर हमेशा हर सरकार में समाज कल्याण विभाग द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर उन्हें श्रृद्धांजलि देने हेतु कार्यक्रम आयोजित होता है किन्तु इस वर्ष ना तो कार्यक्रम हुआ और स्थान की साफ-सफाई भी भाजपा की सरकार ने नहीं करवाई जो दर्शाता है कि भाजपा केवल वोट के लिये बाबा साहेब का चुनाव में याद करती है।

भजनलाल शर्मा ने 'फिट राजस्थान-फिट इंडिया' का दिया संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार सुबह जयपुर के जवाहर सर्किल पार्क में मॉर्निंग वॉक किया। उन्होंने 'फिट राजस्थान-फिट इंडिया' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सभी को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान पार्क में मौजूद लोगों ने भी कदमताल मिलाते हुए मुख्यमंत्री के साथ मॉर्निंग वॉक की। शर्मा ने आत्मीयता के साथ आमजन से मुलाकात की और सेहत, दिनचर्या तथा जीवनशैली से जुड़े विषयों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने जवाहर सर्किल पार्क स्थित मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने जूस पीते हुए आमजन के साथ चर्चा भी की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर हैप्पीनेस एवं फिटनेस गुरप की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समता और न्याय का जो मार्ग दिखाया है, वह सदैव देश और समाज को प्रगति और सद्भाव की ओर अग्रसर करता रहेगा।

नकली दवा विक्रेता फर्म से 3.73 करोड़ की दवा जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रदेश में नकली दवाओं के निर्माण एवं कारोबार पर निरंतर सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय द्वारा शुक्रवार रात जयपुर स्थित एक फर्म पर कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 73 लाख रूपए की दवाएं जब्त की गईं। आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि जीके एंटरप्राइजेज, जयपुर पर कार्रवाई करते हुए लगभग 3.73 करोड़ रूपए की दवाइयों को जब्त किया गया है। अजय फाटक, ओषधि नियंत्रक ने बताया कि यह फर्म नकली एवं ग़ैर-मानक घोषित दवाओं टेबलेट विनसेट-एल एवं एल्गीविन—एम की बिक्री में संलिप्त पाई गई है। जो कि वाईएल फार्मा, बद्दी (हिमाचल प्रदेश) द्वारा निर्मित की गई हैं।

टेबलेट विनसेट—एल दवा की जांच के दौरान कोमल रूपचंदानी, ओषधि नियंत्रण अधिकारी को जाँच के दौरान फर्म के एक पूर्व भागीदार गिरिराज अजमेरा ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2019 में जी के एंटरप्राइजेज से अपनी भागीदारी छोड़ दी थी। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं नियम, 1945 के अनुसार, फर्म की संरचना (Constitution) में परिवर्तन होने पर 03 माह के भीतर नया लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होता है। किंतु शेष भागीदार खेमचंद द्वारा अब तक किसी प्रकार का लाइसेंस प्राप्त नहीं किया गया। इस आधार पर डीसीओ श्रीमती कोमल रूपचंदानी एवं अशोक कुमार मीणा की टीम ने खेमचंद के विरुद्ध बिना लाइसेंस संचालित औषधीय गतिविधियों का प्रकरण दर्ज किया है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026: अब तक का सबसे भव्य कार्यक्रम घोषित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत में वेदान्ता की प्रस्तुति के साथ आयोजित होने वाला जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026 इस बार अपने सबसे विशाल और महत्वाकांक्षी रूप में नज़र आएगा। 15 से 19 जनवरी तक चलने वाला यह निःशुल्क साहित्यिक महोत्सव 300 से अधिक सत्रों और 500 से ज्यादा वक्ताओं के साथ दुनिया भर से आए मेहमानों की मेजबानी करेगा। कार्यक्रम फेस्टिवल के पारंपरिक स्थलों—फ्रंट लॉन, चारबाग़, सूर्य महल, दरबार हॉल और बैठक—में फैला होगा। इस बार साहित्य, इतिहास, राजनीति, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक मामलों, कविता और कला जैसे विविध विषयों पर चर्चाएँ होंगी। प्रमुख सत्रों में बुकर पुरस्कार विजेता किरण देसाई, अंतरराष्ट्रीय बुकर विजेता बानू मुश्ताक, रिचर्ड फ्लैनगन, गोपालकृष्ण गांधी, देवेश कपूर, अरविन्द सुब्रमणियन, स्टीफ़न फ़्राय, विश्वनाथन आनन्द और गौर गोपाल दास शामिल रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पुलित्ज़र विजेता पर्सिवल एवरट, वेब के जनक सर टिम बर्नर्स-ली और विकिपीडिया के सह-संस्थापक जिमी वेल्स भी अपने-अपने विषयों पर महत्वपूर्ण विचार साझा करेंगे। आयरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री लियो वराडकर भी अपनी किताब पर चर्चा के लिए मौजूद रहेंगे। कविता, ग्राफ़िक नॉवेल और मंगा की कला पर भी विशेष संवाद होंगे। ऐलिस ऑसवाल्ड, जीत थायिल, उजान दत्ता और योशितोकी ओइमा जैसे नाम इन सत्रों का हिस्सा होंगे। जलवायु संकट और भविष्य की चुनौतियों पर लेखिका मेघा मजूमदार अपनी नई कृति के साथ उपस्थित होंगी। उत्सव के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता, वैश्विक इतिहासकारों और भारत के प्रतिष्ठित साहित्यकारों—जैसे सुधा मूर्ति, प्रसून जोशी, अमिश, शोभा डे और अनुराधा रॉय—की उपस्थिति इसकी भव्यता को और बढ़ाएगी। फेस्टिवल की सह-संस्थापिका नमिता गोखले और विलियम डैलेरिम्पल ने कहा कि 2026 का संस्करण विविध विचारों, भाषाओं और अनुभवों का अनोखा संगम साबित होगा, जहाँ साहित्य और चिंतन की विश्व-स्तरीय परंपरा एक बार फिर जयपुर में जीवंत होगी। टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजॉय के. रॉय के अनुसार, यह आयोजन 25 से अधिक देशों के वक्ताओं के साथ सांस्कृतिक संवाद और रचनात्मकता का वास्तविक मंच बनेगा।

बलाई छात्रावास में मनाया निर्वाण दिवस

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। साईवाड़ मोड स्थित बलाई छात्रावास में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का निर्वाण दिवस संरक्षक गणपत वर्मा के निर्देशन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम बुनकर की अध्यक्षता में व कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद बुनकर के आतिथ्य में मनाया गया। महामंत्री राजकुमार इंद्रेश ने बताया कि गणपत वर्मा के सहयोग से विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ द्वारा स्वीकृत कोष से 11 लाख का निर्माण कार्य जल्दी ही प्रारंभ होगा। सीताराम बुनकर ने बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात् करने पर जोर दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने विधायक का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्रावास के समस्त विद्यार्थी एवं समाज बंधु उपस्थित थे।

चंदवाजी को तहसील व चाँदावास से चंदवाजी तक सड़क को चौड़ी बनवाने हेतू सांसद को मीणा ने ज्ञापन दिया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत चंदवाजी की पूर्व सरपंच सरोज कैलाश चंद मीणा ने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह को ज्ञापन देकर ग्राम पंचायत चंदवाजी को उप तहसील से तहसील बनवाने की मांग की है साथ ही चंदवाजी से लेकर चांदावास तक सड़क को चोडी बनवाने की मांग की है। कैलाश मीणा ने बताया कि चंदवाजी ग्राम पंचायत को तहसील बनने से आसपास व दूर दराज के गांव को लाभ मिलेगा व राजस्व लाभ बढ़ेगा इसी के साथ चंदवाजी से चांदावास जाते समय पहाड़ी से रास्ता बनाया गया है जो की संकरा है और बरसात के दिनों में पत्थर गिरते रहते हैं जिससे अनहोनी की प्रबल संभावनाएं बनी रहती है इस सड़क व पहाड़ी को गहरी और चोड़ी बनाई जाए इससे आवागमन सुचारू हो सके और पुलिया से गिरने का डर खत्म हो जाए। इससे पूर्व भी मीणा ने मुख्यमंत्री सहित कई लोगो को ज्ञापन दिया है। मीणा ने ज्ञापन में चंदवाजी को उप तहसील से तहसील बनवाने के लिए और दूसरा सहकारी समिति से पीलवा रोड होते हुए चांदावास तक रोड बनवाने और सकड़ी पीलवा घाटी को गहरी और चोडी करवाने की मांग की है।

63वां नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस का हुआ आयोजन

-आपदा प्रबंधन एवं बचाव कार्यों में उल्लेखनीय योगदान पर कार्मिकों को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नागरिक सुरक्षा निदेशालय द्वारा 63वां नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस का आयोजन शनिवार को निदेशालय भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा भास्कर ए. सावंत ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। साथ ही जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण एवं नागरिक सुरक्षा परेड के निरीक्षण से हुआ। उन्होंने विभागीय संरचना के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक खोज-बचाव उपकरण उपलब्ध कराने, स्वयंसेवक बल को बढ़ाने तथा उन्नत प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में नागरिक सुरक्षा दल ने

वर्षभर में विभिन्न दुर्घटनाओं एवं घटनाओं में त्वरित कार्रवाई कर लगभग 150 नागरिकों के जीवन की रक्षा की है। निदेशक नागरिक सुरक्षा जगजीत सिंह मोंगा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा नागरिक सुरक्षा के आगामी 3-दिवसीय कार्निवल के पोस्टर का विमोचन किया गया। स्वयंसेवकों ने बम विस्फोट की स्थिति, क्षतिग्रस्त बहुमंजिला इमारतों से राहत एवं बचाव कार्य तथा अग्निशमन तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया। अतिथियों द्वारा विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों एवं स्वयंसेवकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। इसके बाद सावंत ने नागरिक सुरक्षा वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर जनजागृति हेतु रवाना किया। कार्यक्रम में अमित शर्मा, उपनियंत्रक एवं पी.के. भार्गव, डिवीजनल वार्डन, नागरिक सुरक्षा सहित 500 स्वयंसेवक भी उपस्थित रहें।

नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा SIR को लेकर जागरुकता प्रोग्राम आयोजित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा SIR को लेकर सनिवार 6 दिसंबर को जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया गया। नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी की अध्यक्ष निशात हुसैन ने बताया कि जिन-जिन लोगों का नाम मतदाता सूचि में किसी भी कारणवश आने से रह गया नहीं है, उन सबको समझाकर फॉर्म नम्बर छह (6) को भरवाना है, ताकि उसका नाम मतदाता सूचि में आ सके। इस काम को करवाने के लिए नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी कि एक टीम लोगों का मार्ग-दर्शन करेगी, एरिया के बीएलओ के साथ मिलकर उक्त फॉर्म भरवाने में मदद करेगी।

प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों में उत्साह, 8700 से अधिक ने कराया पंजीकरण

-मुख्य सचिव और एसीएस उद्योग ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर लिया तैयारियों का जायजा

-कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में, जयपुर में सजावट का काम जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित किए जा रहे 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' कार्यक्रम की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। 10 दिसंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए राजधानी जयपुर में ग्रीनरी, सजावट और साफ-सफाई के कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान मेहमानों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है, वहीं देश-विदेश से आने वाले प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों में भारी उत्साह है। अब तक करीब 8,700 से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल (जेईसीसी, सीतापुरा) पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य समारोह, सेक्टोरल सेशन के लिए निर्धारित हॉल के साथ ही राज्य सरकार की उपलब्धियों को दर्शाने के लिए बनाए जा रहे प्रगति पथ का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को अगले 48 घंटे में पूरा कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं, साथ ही, प्रवासी राजस्थानियों से वार्ता कर उन्हें आमंत्रित भी कर रहे हैं। एसीएस शिखर अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए प्रदेश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। साथ ही, इस प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक नई नीति भी बनाई गई है। उद्योग एवं निवेश संवर्धन ब्यूरो के आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोजन स्थल पर राजस्थान की संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित किया गया है, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपनापन महसूस करें और यहां से अच्छी यादें लेकर लौटें। इस दौरान जेडीए आयुक्त श्रीमती आनन्दी, रीको एमडी श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, बीआईपी के अतिरिक्त आयुक्त जुगल किशोर मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यटन क्षेत्रों के भ्रमण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

इस कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों की शहर के पर्यटन क्षेत्रों के भ्रमण की संभावना को देखते हुए भी व्यापक व्यवस्था की गई है। संरक्षित स्मारकों पर आने वाले पर्यटकों के लिए पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इसके साथ ही, वन एवं वन्यजीव पर्यटन क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए वन विभाग द्वारा भी नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले साल राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव में 10 दिसंबर को हर वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस कड़ी में पहला प्रवासी दिवस आगामी 10 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी डायस्पोरा को साथ लाना और प्रवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ना है।

विद्यार्थियों को सर्दी से मिलेगी निजात भामाशाह ने बाटे स्वेटर

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम निठारा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह ने सभी विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे हैं। जिससे विद्यार्थियों का सर्दी से बचाव होगा। प्रधानाचार्य सायर लाखीवाल ने बताया कि लेटकाबास निवासी द्वारकेश शर्मा के पुत्र मनीष कुमार शर्मा व पुत्रवधू संगीता शर्मा हाल निवासी खातीपुरा जयपुर ने कक्षा 1 से 12 के सभी 153 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किया। अनिल कुमार वर्मा (उ. प्रा.), लालता नाहरवाल (३.प्रा.), अनिता (उ.प्रा.), मन्जु गंगवाल (व.अ.), कविता चौधरी, अनिता बराला, रामलाल जाट, अरविंद , दिनेश कुमार मीणा उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य सायर लाखीवाल ने भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतर्राज्यीय शातिर बैंक लुटेरे को पुलिस ने गिरफ्तार किया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। एक अंतर्राज्यीय शातिर बैंक डकैत को पुलिस ने धर दबोचकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। अमित उर्फ टाकन नाम के इस 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस ने एयू बैंक छारसा से चोरी किए गए 2 लाख 19 हजार 5 सौ रुपये नकद भी बरामद किए हैं। आरोपी तीन राज्यों राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में बैंक डकैतियों के 15 से ज्यादा मामलों में वांछित चल रहा था। गत 6 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे टाकन और उसके दो साथियों ने छारसा स्थित एयू बैंक का शटर तोड़कर सेंधमारी की थी। उन्होंने बाहरी सीसीटीवी कैमरे नष्ट कर दिए और बैंक की तिजोरी उखाड़कर ले गए, जिसमें 7.53 लाख रुपये नकद थे। इस पूरी वारदात में बैंक को 8.33 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। इस दौरान पुलिस की विशेष टीम में सुरेन्द्र सिंह - थानाधिकारी, सेरन्द्र सिंह - हेड कांस्टेबल सुरज्ञान - कांस्टेबल की (विशेष भूमिका रही), रमेश - कांस्टेबल ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार किया। अमित पेशेवर डकैत था जो दिन में ग्राहक बनकर बैंक का सर्वे करता और रात को साथियों के साथ सेंध लगाता था। चोरी का माल बरामद होने के बाद वह तुरंत दूसरे राज्य में फरार हो जाता था। इस मामले में पहले भी पुलिस ने अजय उर्फ छोटिया और सचिन उर्फ भोलिया नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था और उनसे इलेक्ट्रॉनिक कटर, हथौड़ा और चोरी की तिजोरी बरामद की थी। थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में एएसपी रणवीर सिंह और वृत्ताधिकारी मुकेश चौधरी का निर्देशन रहा। पुलिस टीम में हैड कांस्टेबल सेरन्द्र सिंह और कांस्टेबल सुरज्ञान व रमेश की भूमिका अहम रही। इससे पहले भी पुलिस ने इसी मामले में दो अन्य आरोपियों - अजय उर्फ छोटिया और सचिन उर्फ भोलिया उर्फ भोला को गिरफ्तार कर इलेक्ट्रॉनिक कटर मशीन, हैमर और चोरी की गई तिजोरी बरामद की थी।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दूदू क्षेत्र को दी विकास की नई सौगातें

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को दूदू विधानसभा क्षेत्र के चकवाड़ा, मौजमाबाद और बोराज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की देवतुल्य जनता से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों की विस्तृत जानकारी साझा की। डॉ. बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और आधारभूत संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के संतुलित और समग्र विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि सरकार का

प्रत्येक निर्णय जनहित और जनता के उत्थान को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है, जिससे प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति ने जनप्रतिनिधियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर जयपुर जिला प्रमुख श्रीमती रमा चौपड़ा सहित क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से दूदू क्षेत्र में विकास की गति और अधिक तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जयपुर पुलिस का वांछित, हार्डकोर एवं संदिग्ध बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई के लिए 15 दिवसीय विशेष अभियान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि आयुक्तालय के चारों जिलों के सभी थाना क्षेत्रों में वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो एवं उन्हें त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि जयपुर पुलिस द्वारा आयुक्तालय के सभी थाना क्षेत्रों में वांछित एवं सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ एवं कार्रवाई के लिए 20 नवंबर से 4 दिसंबर तक अभियान चलाया गया ताकि शहर में बेहतर कानून एवं शांति व्यवस्था एवं आमजन में विश्वास बना रहे हैं। आयुक्तालय के सभी थाना क्षेत्रों में अपराधियों के खिलाफ अभियान में 2 उदघोषित अपराधी, 515 स्थाई वारंटी, 26 ईनामी अपराधी, 335बीएनएसएस (299 सीआरपीसी) में पेंडिंग प्रकरण 14 साथ ही 193(9) बीएनएसएस 173(8) सीआरपीसी में पेंडिंग प्रकरण 12 एवं मुकदमो में वांछित अपराधी 152 के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कर प्रकरणों का निस्तारण किया गया। पुलिस आयुक्त मित्तल ने बताया की इस अभियान तहत वांछित एवं सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की गई ।

रात्रि चौपाल जनसुनवाई:
दीगोदपार में जिला प्रशासन ने सुनी समस्याएं, कई मामलों का हुआ मौके पर निस्तारण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शुक्रवार को किशनगंज पंचायत समिति की दीगोदपार ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल का आयोजन किया। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। चौपाल में कुल 56 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से कई का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु भी मौजूद रहे।

साफ-सफाई, फसल खराबा, नेटवर्क व पेयजल मुख्य मुद्दे रहे

ग्रामीणों ने चौपाल में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, फसल खराबे का मुआवजा, मोबाइल नेटवर्क की समस्या, हैंडपंप मोटर, तथा पेयजल आपूर्ति में सुधार जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए। इसके अलावा अतिक्रमण को हटाने, रास्तों की मरम्मत, बिजली सप्लाई, और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों पर भी आवेदन दिए गए।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जिला कलक्टर तोमर ने सभी विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र व प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को बिना विलंब समाधान करना है। इस दौरान कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को हाथों-हाथ दिशा-निर्देश जारी किए गए।

ग्रामीणों ने जताया संतोष

रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान एवं बुजुर्ग भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन द्वारा समस्याएं सुनने और तत्काल कार्रवाई करने के प्रयासों की सराहना की।

जिला स्तरीय अधिकारी रहे मौजूद

चौपाल में जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारी, पंचायत समिति के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न विकास योजनाओं व सरकारी सेवाओं की जानकारी भी दी। रात्रि चौपाल देर शाम तक चली, जिसमें प्रशासन ने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समाधान का आश्वासन दिया।

भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का सम्मान समारोह 8 दिसम्बर को होगा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज गुप्ता को पुनः प्रदेश कोषाध्यक्ष का दायित्व मिलने पर सोमवार 08 दिसम्बर 2025 को पहली बार चूरू आगमन पर भाजपा कार्यकर्ता करेगे शानदार अभिनन्दन। प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता को पुनः दायित्व मिलने पर पूर्व में रविवार को होने वाला कार्यक्रम 08 दिसम्बर सोमवार को दोपहर 03.00 बजे शिवकला मंच नया बास चूरू में आयोजित होगा।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी में पंकज गुप्ता के पुनः प्रदेश कोषाध्यक्ष का दायित्व मिलने पर एवं उनके पुनः दायित्व मिलने के बाद पहली बार अपने गृह क्षेत्र चूरू आगमन पर भाजपा कार्यकर्ता उनका शानदार अभिनन्दन करेगे जिसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राजेन्द्र राठौड़, विधायक आदरणीय हरलाल सहारण एवं जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की उपस्थिती में आयोजित सम्मान समारोह में चूरू विधानसभा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो के कार्यकर्ता विभिन्न संगठनो के जुड़े पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनो के द्वारा अभिनन्दन किया जायेगा। जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल ने बताया कि प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता के चूरू आगमन पर चूरू की सीमा में कार्यकर्ता उनका स्वागत एवं अभिनन्दन करेगे तत्पश्चात देपालसर गणेश मंदिर में पूजा अर्चना पंखा सर्किल पर स्वतंत्रता सैनानी स्व. चन्दनमल बहड़ की मूर्ति पर माल्यार्पण वीर गति स्मारक पर पुष्पांजलि ज्योतिबा फुले की मूर्ति पर माल्यार्पण चौधरी कुंभाराम की मूर्ति पर माल्यार्पण शहिद डालूराम की मूर्ति पर माल्यार्पण एव स्वामी गोपालदास की मूर्ति पर माल्यार्पण के पश्चात नया बास स्थित शिवकला मंच पर पंकज गुप्ता का भव्य अभिनन्दन भारतीय जनता पार्टी परिवार द्वारा किया जायेगा। जिसमें चूरू के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेगे।

इस संदर्भ में आज जिला कार्यालय चूरू में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में तैयारी बैठक हुई जिसमें राष्ट्रिय परिषद् सदस्य ओम सारस्वत, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, नरेन्द्र काछवाल, नरेन्द्र सैनी, मण्डल अध्यक्ष धर्मेन्द्र राकसिया, वरिष्ठ नेता दौलत तंवर, जिला सहकोषाध्यक्ष रचना कोठारी, सोशल मीडिया जिला सहसंयोजक सुरेश मिश्रा, नोमान खांन, भरत पारीक, जिला मीडिया सहसहयोंजक नीरज जांगिड़, राजीव शर्मा, जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच, कपील चंदेल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

होमगार्ड ने स्थापना दिवस मनाया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शनिवार को अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना के प्रतीक "होमगार्ड्स" के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण एवं चूरू पंचायत समिति प्रधान दीपचंद राहड़ सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा होमगार्ड निष्ठा एवं त्याग, सुरक्षित समाज के हैनिर्माण में बड़ी भूमिका निर्वहन करता है। स्थापना दिवस की सभी जवानों और अधिकारियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अगार दरगाह का सालाना उर्स मुबारक रात्रि में होगा तकरीर का प्रोग्राम

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गांव अगार में दरगाह हजरत दावलशाह दूल्हा रहमतुल्लाह अलेह का सालाना उसे मुबारक शनिवार को मनाया जाएगा। दरगाह कमेटी के सदर निसार खान दईया ने बताया की दरगाह शरीफ को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया, दरगाह परिसर को साफ सुथरा किया व डेकोरेशन कर सवारा गया एक दिवसीय सालाना उर्स मुबारक को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी है बाद नमाजे असर दारुल उलूम फैजे सरवरी पीर की जाल के नौनिहाल बच्चो द्वारा कुरान खानी होगी बाद नमाज मगरिब दरगाह शरीफ के लंगर का इंतजाम किया गया है वही बाद नमाज ईशा तकरीर का प्रोग्राम होगा। जिसमें हजरत मौलाना मोहम्मद आरिफ साहब शाही जामा मस्जिद सांचौर मुकर्रर हजरत मौलाना मोहम्मद अय्यूब साहब अकबरी मुदरिस मदरसा अहले सुन्नत नूरुल इस्लाम सांचौर, खुशुशी मेहमान मौलाना हाशम साहब अकबरी सदर मुदरिस दारुल उलूम फैजे सरवरी पीर की जाल, नात खा बुलबुले बागे मदीना मौलाना अब्दुल अजीम कादरी मदरसा फैजाने दावल शाह दूल्हा अगार एवं दिगर उलमाए किराम की ईमान अफ़रोज़ तकरीर होगी संदल की रस्म अदा होगी आखिर में फातेहा कुल शरीफ होगी।

बेहतरीन पुस्तक समीक्षा लिखने वाले विद्यार्थियों - शिक्षकों को किया सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने पुस्तक अभिरूचि प्रतियोगिता में बेहतरीन पुस्तक समीक्षा लिखने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र व पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पुस्तकालय अभिरूचि प्रतियोगिता शिक्षक वर्ग में जिला स्तर पर सरदाशहर ब्लॉक के राउमावि मेहरी प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा प्रथम, सुजानगढ़ ब्लॉक के राउप्रावि नंबर 10 के अध्यापक पवन कुमार शर्मा द्वितीय व तारानगर ब्लॉक के राउमावि भाडंग के प्रधानाचार्य रामनिवास तृतीय स्थान पर रहे। इसी क्रम में विद्यार्थी वर्ग में जिला स्तर पर राउमावि बीरमसर की तनीशा प्रथम, राउमावि गाजुसर की द्रोपदी द्वितीय व सेठ जुहारमल सेठिया राउमावि चाड़वास की पूजा बावरी तृतीय स्थान पर रही। ब्लॉक स्तर पर बीदासर में पिन्टु घिंटाला द्वितीय, दिव्या मेघवाल तृतीय, रतनगढ़ ब्लॉक में की दिव्या शर्मा द्वितीय, श्रवण तृतीय, राजगढ़ ब्लॉक की विदुषी प्रथम, मोनिका द्वितीय व सेनू तृतीय, तारानगर ब्लॉक में अजय योगी प्रथम, प्रीति कुमारी द्वितीय व मोनिका तृतीय, सुजानगढ़ ब्लॉक में अंजलि प्रजापत प्रथम, इनाया पड़ियारा द्वितीय व शारदा तृतीय, चूरू ब्लॉक में सुष्मिता प्रथम, अभिषेक द्वितीय, देवेन्द्र तृतीय तथा सरदारशहर ब्लॉक में दीक्षा प्रथम, गुंजन शर्मा द्वितीय स्थान पर सम्मानित हुए।

बाबा डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर सामाजिक समरसता रैली

- श्रद्धा और संकल्प के साथ दी गई श्रद्धांजलि

हनीस खान कुतकपुर

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। संविधान निर्माता, सामाजिक न्याय के प्रणेता और भारत रत्न बाबा डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नगर परिषद् हिण्डौन क्षेत्र के खेड़लियान का पुरा स्थित अंबेडकर पार्क में एक गरिमामयी एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक समरसता रैली का आयोजन किया गया। रैली अंबेडकर पार्क से प्रारंभ होकर आसपास के ग्रामों से होती हुई पुनः अंबेडकर पार्क पहुंची, जहाँ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए महापरिनिर्वाण दिवस के महत्व को रेखांकित किया। शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति समरसता और समानता से ही संभव है। बिना किसी जाति, वर्ग या भेदभाव के सभी को साथ लेकर चलना ही बाबा के सपनों का भारत है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि "समरसता समानता के बिना अधूरी है और समानता समरसता के बिना।" कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। मुख्य रूप से प्रधानाचार्य रमेश मीणा, मानसिंह बौद्ध, केशव भारद्वाज सुनील कुमार, एसएमसी अध्यक्ष रामवीर गौतम, अवधेश कुमार, धर्मवीर गौतम, वीरेंद्र कुमार, भरत गोगरिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने बाबा के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन बाबा के विचारों को जीवन में आत्मसात करने और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ हुआ।

जाटव बगीची हिंडौन में जाटव समाज की विचार गोष्ठी आयोजित

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। जाटव बगीची हिंडौन में जाटव समाज की एक महत्वपूर्ण विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के अधिकारी, कर्मचारी, युवा, बुजुर्ग, बुद्धिजीवी, महिला एवं पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके मूल मंत्र "शिक्षा, संगठन, संघर्ष करो" के नारे को बुलंद किया गया। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष का स्मरण करते हुए समाज को उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर रिंकू खेड़ी हैवत, रामसिंह, नेमीचंद, राधेश्याम, प्रदीप, अशोक, सतीश गागर, पूरणमल, शेरसिंह, संतराम वर्मा सहित दर्जनों बुद्धिजीवी मौजूद रहे। सभी ने समाज की एकता, शिक्षा एवं संवैधानिक अधिकारों पर जोर देते हुए भविष्य में सामूहिक प्रयासों को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पत्रकार अमित जैन की धर्मपत्नी समाजसेविका अनिता जैन का जन्मदिन धार्मिक उल्लास के साथ मनाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । परिवार के स्नेहिल वातावरण मे अमित जैन (पत्रकार) की धर्मपत्नी अनिता जैन का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास और आध्यात्मिक भावनाओं के साथ मनाया गया। दिन की शुरुआत अनिता जैन द्वारा पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद भीलवाड़ा से विहार कर बटावदा पहुँचे मुनिश्री अनुपम सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विमोह सागर जी महाराज के ससंघ आहार में शामिल हुईं और आहार चर्या में मुनिश्री को आहार देकर अपने जीवन के शुभ दिन की मंगल शुरुआत की। आध्यात्मिक आशीर्वाद से सम्पन्न प्रारंभ के बाद समारोह का रंग पारिवारिक उल्लास में बदल गया। अनिता जैन ने परिवारजनों और मित्रों के साथ केक काटकर जन्मदिन का आनंद साझा किया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर सभी ने मिलकर नृत्य किया और मित्रों ने इस दिन को उनके लिए बेहद खास बना दिया। पूरे दिन घर में उत्सव और खुशी का माहौल छाया रहा। अमित जैन ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि अनिता का साथ मेरे लिए जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। उनका जन्मदिन हमारे परिवार के लिए उत्सव से कम नहीं होता।

सिकरौदा मीना फाटक पर चल रहे ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। सिकरौदा मीना फाटक पर चल रहे ओवर ब्रिज निर्माण के सिकरौदा मीना के लोगों ने ओवर ब्रिज के नीचे से चौड़ा रास्ता निर्माण हेतु और रेलवे फाटक के नीचे पुलिया हेतु विरोध प्रदर्शन किया जिससे हाई सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जो मैंन रास्ता है वह यथावत रहना चाहिए जीससे विधालय के बच्चे रेलवे लाइन कि तरफ के रास्ते से जानें से बच जाएंगे ग्रामीणों ने कहा कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो जीससे राजस्थान युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव रघुराज मीना, ग्रामीण, वीर सिंह,चेतराम, लोकेश, मोहन, श्याम बिहारी शर्मा, गोविंद सैनी, पूर्व सरपंच मुकेश जाटव, श्योराम जाटव आदि ग्रामीण मौजूद रहे । यह धरना प्रदर्शन युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव रघुराज मीना के नेतृत्व में किया गया।

दाई हलीमा हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के अंतर्गत मंगलवार 09 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक दाई हलीमा मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल, भीलवाड़ा में गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा पूर्णतः निःशुल्क जाँच एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर में आने वाली गर्भवती महिलाओं को आवश्यकता के अनुसार मेडिसिन एवं पोषाहार किट भी निःशुल्क वितरित की जाएगी। यह आयोजन सोशल वेलफ़ेयर सोसाइटी, भीलवाड़ा के सौजन्य से किया जा रहा है।

देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर द्वारा शनिवार को जिला कारागृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण किया गया। देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा कारागृह परिसर की साफ-सफाई, बैरकों की साफ-सफाई आदि के बारे में जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कारागृह की साफ सफाई संतोष पाई गई, कारागृह में मरम्मत कार्य एवं रंग-रोगन संबंधी कार्य पूर्ण होना पाया गया। साथ ही देवेन्द्र दीक्षित द्वारा मौके पर उपस्थित उपाधीक्षक बिहारीलाल से कारागृह में सजायाफ्ता एवं विचाराधीन बंदियों की कुल संख्या, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, बंदियों को प्रदान की जाने वाली भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं, ई कियोस्क आदि के संबंध में पूछताछ की गई तथा बंदियों से वार्ता कर उनके मुकदमों, संबंधित थानों, न्यायालयों, परिजनों से बातचीत के समय, अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता, निशुल्क विधिक सहायता आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया । देवेंद्र दीक्षित ने उपस्थित बंदियों को बताया कि जिन बंदियों के पास अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन करके अपने मुकदमों की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। साथ ही कारागृह में बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के संबंध में अवगत करवा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान बंदियों को प्रदान की जा रही मूलभूत सुविधाएं संतोषजनक पाई गई। साथ ही प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता एवं जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा की गई कार्यवाही के बारे में पूछताछ की गई । दौराने निरीक्षण कुल 78 बंदी उपस्थित पाएं गए। देवेंद्र दीक्षित द्वारा बंदियों को साइबर अपराधों, चोरी, लूट, हत्या एवं हत्या के प्रयास तथा अन्य अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया । निरीक्षण के दौरान देवेंद्र दीक्षित द्वारा बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई, साथ ही उपाधीक्षक बिहारीलाल को सजायाफ्ता बंदियों के संबंध में सूचना अविलंब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषीत करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल वीरेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. मनोज गर्ग एवं कारागृह स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

दा बोहराज ग्लोबल स्कूल फादर्स क्रिकेट लीग और मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका) । दा बोहराज ग्लोबल स्कूल द्वारा आयोजित फादर्स क्रिकेट लीग एवं मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबलों का टीकाराम पालीवाल स्टेडियम में शानदार आगाज़ हुआ। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट महवा सीआई राजेंद्र, विजय शंकर बोहरा गुरु, प्रभु दयाल, राजेंद्र मिश्रा, अरविंद पालीवाल, रघुवीर द्वारा किया गया । लायंस क्लब महवा के अध्यक्ष आकाश लोकेश मिश्रा, विद्यालय के निदेशक विनय बोहरा, सह-निदेशक विकास बोहरा, वाईस प्रिंसिपल श्वेता राणा नेगी, पीटीआई सुरेंद्र भूपेन्द्र, अभिभावक एवं विद्यार्थियों की प्रभावी उपस्थिति रही। क्रिकेट मैच में फादर्स क्रिकेट लीग टीम महुआ की शानदार जीत हुई । पहले क्रिकेट मुकाबले में टीम बालाजी और टीम महुआ आमने-सामने रहीं। टीम बालाजी ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 89 रन का लक्ष्य खड़ा किया। जवाबी पारी में टीम महुआ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 8 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम महुआ के कप्तान शिवकुमार मीणा ने 7 चौकों की मदद से 37 रन की निर्णायक पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप : उत्साह से भरे मुकाबले टग ऑफ वॉर, दो टीमों के बीच हुए इस मुकाबले में—टीम 1: यशोधरा, पूजा कुमारी जोगी, श्वेता सिंघल टीम, 2: ललिता भारद्वाज, संध्या कुमारी योगी, रचना देवी ने प्रतिभाग किया ! कठिन संघर्ष के बाद टीम 1 विजेता रही।

ब्लाइंडफोल्ड एंड टच द मटकी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने संतुलन व कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। परिणाम इस प्रकार रहे—प्रथम स्थान: ललिता भारद्वाज, द्वितीय स्थान: श्वेता सिंघल एवं तृतीय स्थान पर रचना देवी रही । खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरा स्टेडियम तालियों, उमंग और खेल भावना से गूंज उठा!

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास चौधरी लेंगे 08 को डीसीसी की बैठक

बारां (रॉयल पत्रिका) । आगामी 14 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, बारां पर बैठक ली जावेगी। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी 14 दिसम्बर को दिल्ली में वोट चोर गद्दी छोड़ विशाल रैली का आयोजन रखा गया है जिसमें सम्पूर्ण भारत देश से कांग्रेसजन भाग लेंगे। 14 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित होने वाली रैली की तैयारियों को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी जयपुर के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास चैधरी द्वारा 08 दिसम्बर 2025 को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, श्री जी का चैक, बारां पर दोपहर 12.00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, अग्रिम संगठन, प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों, कांग्रेसजनों की बैठक ली जावेगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा द्वारा बारां जिले के सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से आगामी 08 दिसम्बर को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आयोजित बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है।

पहले ही दिन पैसा डबल, 140 रुपये के शेयर पर टूट पड़े थे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के आईपीओ पर जमकर दांव लगा, अब कंपनी के शेयरों ने लिस्टिंग पर भी धमाल मचा दिया है। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने पहले ही दिन निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 90 पर्सेंट के फायदे के साथ 266 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के ठीक बाद कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट और चढ़कर 279.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। आईपीओ में एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर का दाम 140 रुपये था। यानी, आईपीओ प्राइस के मुकाबले एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर पहले ही दिन 100 पर्सेंट चढ़ गए हैं। दिग्गज निवेशक विजय किशनलाल केडिया का भी एक्साटो टेक्नोलॉजीज पर बड़ा दांव है। कंपनी में विजय केडिया की 4.5 पर्सेंट हिस्सेदारी है। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के आईपीओ का टोटल साइज 37.45 करोड़ रुपये तक का था। एक्साटो टेक्नोलॉजीज की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। एक्साटो टेक्नोलॉजीज लिमिटेड एक कस्टमर ट्रांसफॉर्मेशन पार्टनर है, जो कि तकनीकी आधारित सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। यह सॉल्यूशंस कस्टमर इंगेजमेंट्स और ऑपरेशनल इफीशिएंसी को बढ़ाते हैं। एक्साटो टेक्नोलॉजीज सीएक्स एंड एनालिटिक्स, यूनिफाइड कम्युनिकेशंस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर और एक्साटो आईक्यू समेत कई तरह की सर्विसेज ऑफर करती है। कंपनी बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस, हेल्थकेयर, रिटेल, टेलिकॉम, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स को अपनी सर्विसेज उपलब्ध कराती है। एक्साटो टेक्नोलॉजीज का आईपीओ टोटल 947.21 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 1068.74 गुना दांव लगा। वहीं, गैर-संस्थागत निवेशकों की कैटेगरी में 1488.72 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 327.08 गुना सब्सक्राइब हुआ। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में आम निवेशक 2 लॉट के लिए ही दांव लगा सकते थे। आईपीओ की दो लॉट में 2000 शेयर थे। यानी, आम निवेशकों को कंपनी के आईपीओ में 2,80,000 रुपये का निवेश करना पड़ा। अपूर्व के सिन्हा और स्वाति सिन्हा, कंपनी के प्रमोटर्स हैं। आईपीओ से पहले एक्साटो टेक्नोलॉजीज में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 75.85 पर्सेंट थी, जो कि अब 54.73 पर्सेंट रह गई है।

सेविंग्स अकाउंट खाली कर एफडी करा रहे हैं लोग?

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, कुल बैंक डिपॉजिट में फिक्स्ड डिपॉजिट की हिस्सेदारी बढ़कर दो साल के उच्चतम स्तर 62 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा सितंबर 2025 की तिमाही का है। मार्च 2023 में यह 57 प्रतिशत था। इस दौरान सेविंग्स अकाउंट की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत से गिरकर 29 प्रतिशत रह गई है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है ज्यादा ब्याज का फायदा उठाना। ग्राहकों को लग रहा है कि आरबीआई आने वाले समय में ब्याज दरें घटा सकता है। इसलिए, रेट कम होने से पहले ही वे ऊंचे ब्याज दर पर अपनी एफडी लॉक कर लेना चाहते हैं। फेडरल बैंक के कंस्यूमर बैंकिंग हेड विराट दीवानजी ने बताया, इस साल जून और सितंबर तिमाही में टर्म डिपॉजिट (एफडी) में काफी तेजी आई है। ग्राहक अब अपने रिटर्न को लेकर बहुत जागरूक हैं। डिजिटल सुविधाओं के कारण वे आसानी से देख पा रहे हैं कि कहां ज्यादा फायदा है। दरअसल, 2024 के ज्यादातर हिस्से और 2025 की शुरुआत में बैंकों को नकदी की तंगी का सामना करना पड़ा था। इसके चलते उन्होंने एफडी रेट्स बढ़ा दिए थे। टीएमबी के एमडी और सीईओ सली नायर का कहना है कि ज्यादा रिटर्न पाने की चाहत में लोग सेविंग्स अकाउंट छोड़कर एफडी की तरफ भागे। लोन की मांग डिपॉजिट से ज्यादा तेज थी, इसलिए बैंकों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए स्पेशल स्कीम्स और रेट्स निकाले। इसके अलावा, शेयर बाजार में तेजी की वजह से एसआईपी में भी खूब पैसा लगा। लोगों ने बैंकों के बजाय म्यूचुअल फंड और शेयरों में पैसा लगाया। इससे सेविंग्स डिपॉजिट में और गिरावट आई। सेविंग्स अकाउंट में रखे पैसे पर बैंक को कम ब्याज (2-3 प्रतिशत) देना पड़ता है। लेकिन एफडी पर उन्हें 78 प्रतिशत तक ब्याज देना पड़ता है। इसका असर उनके मुनाफे पर पड़ता है।

एचयूएल आइसक्रीम डिमर्जर की डेट आई करीब, 7 प्रतिशत टूटे शेयर

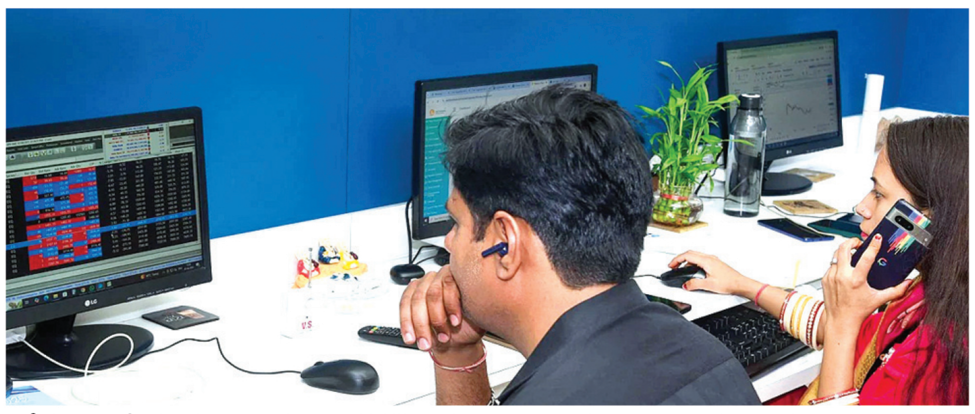

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयरों में बीएसई पर 7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और ये 2,289 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए। यह गिरावट कंपनी की आइसक्रीम बिजनेस को एक नई इकाई क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड में अलग करने की रिकॉर्ड डेट के नजदीक आने के कारण हुई। हालांकि, कुछ मिनटों के ट्रेडिंग के बाद, शेयर ने अपने निचले स्तर से पलटाव किया और सुबह लगभग 10¬40 बजे केवल 1.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,378.55 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। ब्रोकरेज फर्म नुवामा इक्विटीज को उम्मीद है कि क्वालिटी वॉल्स फरवरी 2026 में लिस्ट होगी और संभवतः भारत की पहली प्योर-प्ले लिस्टेड आइसक्रीम कंपनी बन जाएगी। उसका अनुमान है कि इसके शेयर का मूल्य 50-55 रुपये प्रति शेयर हो सकता है, जो लगभग 5 गुना सेल्स मल्टीपल को दर्शाता है। हालांकि यह एचयूएलके 9 गुना मल्टीपल से कम है, लेकिन नुवामा का कहना है कि यह आइसक्रीम श्रेणी के मौसमी स्वभाव के अनुरूप है। इस सेगमेंट को जीएसटी में भारी कटौती (18 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हुआ) का भी फायदा मिला है, जिससे किफायती होने और खपत बढ़ने की उम्मीद है। एचयूएलके निवेशकों के लिए, यह डिमर्जर एक तरफ तो मूल्य-उद्घाटन का अभ्यास है, तो दूसरी तरफ कंपनी के पोर्टफोलियो ढांचे में बदलाव का संकेत भी।

डिमर्जर की योजना

यह डिमर्जर 1 दिसंबर 2025 से प्रभावी होगी। एचयूएलने पहली बार इस योजना की घोषणा जनवरी 2025 में की थी और बाद में मई 2025 में बीएसई और एनएसई से मंजूरी हासिल की। यह कदम तेजी से बढ़ने वाले आइसक्रीम सेगमेंट को अपने मुख्य एफएमसीजी (फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स) व्यवसाय से अलग करके अतिरिक्त मूल्य उजागर करने की एचयूएलकी रणनीतिक पहल का हिस्सा है।

नई इकाई का स्वरूप

मंजूर ढांचे के तहत, द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी स्पिन-ऑफ के बाद यूनिलीवर ग्रुप से क्वालिटी वॉल्स में 61.9 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। आइसक्रीम व्यवसाय में कॉर्नेटो, मैग्नम, फीस्ट और क्रीमी डिलाइट जैसे कई प्रसिद्ध ब्रांड शामिल हैं और यह भारत के सबसे बड़े कोल्ड-चेन इन्फ्रास्ट्रक्चर में से एक द्वारा समर्थित है।

रियलमी पी4एक्स और रियलमी वॉच 5 पेश की

रियलमी ने भारत में अपना सबसे तेज स्मार्ट फोन लांच किया

मुंबई एजेंसी। भारत के सबसे लोकप्रिय यूथ स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी पी सीरीज़ ने आज अपने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में रियलमी पी4एक्स लॉन्च और रियलमी वॉच 5 लॉन्च किए हैं। पी4 एक्स 7000एमएएच बैटरी के साथ अपने सेगमेंट का सबसे तेज स्मार्टफोन है। वहीं, रियलमी वॉच 5 ब्रांड की नई मेक इन इंडिया स्मार्टवॉच है, जो ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड मिलकर बनाई गई है। ये प्रोडक्ट्स हर कैटेगरी में शक्तिशाली दैनिक परफॉर्मेंस, बेहतर ए.आई क्षमताएं और डिज़ाइन-फर्स्ट इनोवेशन प्रदान करने की रियलमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। रियलमी पी4एक्स में रियलमी ने चिपसेट एफिशिएंसी, बैटरी एंड्योरेंस और ए.आई आधारित प्रोडक्टिविटी में को काफी अपग्रेड कर दिया है। यह उन युवा ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो ऑन-द-गो रहते हुए मल्टीटास्किंग, पढ़ाई, गेमिंग और क्रिएट करते हैं। रियलमी वॉच 5 एक मेक इन इंडिया वॉच है, जो एक बोल्ड नए डिज़ाइन में बेहतर फिटनेस, हेल्थ और कम्युनिकेशन का अनुभव प्रदान करती है। ये नए इनोवेशन भारत में पूरे विश्व से प्रतिस्पर्धा करने वाली टेक्नोलॉजी के विकास की रियलमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं।

एसईपीसी एफज़ेडई, एसईपीसी की यूएई शाखा ने यूएई में 85 करोड़ का ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट जीता

वैश्विक उपस्थिति का विस्तार

चेन्नई। एसईपीसी लिमिटेड जो जल एवं नगरपालिका सेवाओं, सड़कें, औद्योगिक अवसंरचना और खनन जैसे क्षेत्रों में विविध उपस्थिति वाली अग्रणी इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कंपनियों में से एक है, ने संयुक्त अरब अमीरात में अपने यूएई प्रभाग एसइपीसी स्र्रैश्व के माध्यम से एईडी 35,000,000 (985 करोड़) का एक सब-कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। यह अनुबंध संयुक्त अरब अमीरात में एक रणनीतिक ऊर्जा अवसंरचना उन्नयन परियोजना के लिए प्राप्त हुआ है।

यह अनुबंध लॉरेन मिडिल ईस्ट इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन एल.एल.सी. द्वारा प्रदान किया गया है, जिसके अंतर्गत आपातकालीन शटडाउन (ईएसडी) प्रणाली नाइट्रोजन उत्पादन इकाई और उन्नत पब्लिक एड्रेस एवं जनरल अलार्म प्रणाली की स्थापना शामिल है। यह कार्य अबू धाबी ऑयल कंपनी के विकास ढांचे के तहत मुबारेज़ आइलैंड में किया जाएगा।

परियोजना दिसंबर 2026 तक चलेगी, जो मध्य पूर्व क्षेत्र में एसइपीसी की ऊर्जा और प्रोसेस-इंडस्ट्री क्षमताओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वैश्विक निष्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ करना: परियोजना के दायरे में विशेष इंजीनियरिंग टीमों की तैनाती, पाइपिंग और इंस्ट्रूमेंटेशन में संशोधन, तथा तेल एवं गैस परिचालन निरंतरता के लिए आवश्यक मिशन-क्रिटिकल सुरक्षा प्रणालियों का एकीकरण शामिल है। भुगतान और कार्य-पूर्ति की शर्तें एडीओसी की आवश्यकताओं के अनुरूप माइलस्टोन-आधारित, बैक-टू-बैक अनुबंध ढांचे के तहत होंगी। समझौते के अनुसार, स्वीकृत इनवॉइस और प्रोग्रेस रिपोर्ट जमा करने के 60 दिनों बाद भुगतान शुरू होगा।

इस अनुबंध के साथ, एसइपीसी अपने बढ़ते अंतरराष्ट्रीय पोर्टफोलियो को और मजबूत करता है, जो भारत में जल शोधन, सड़क अवसंरचना, औद्योगिक ईपीसी और खनन क्षेत्रों में उसकी मजबूत उपस्थिति को पूरक बनाता है।विजय पर टिप्पणी करते हुए एसईपीसी लिमिटेड के होल-टाइम डायरेक्टर श्री वेंकटरमणि जयगणेश ने कहा- यह कॉन्ट्रैक्ट जटिल ईपीसी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में एसइपीसी की बढ़ती वैश्विक विश्वसनीयता को दर्शाता है। मध्य पूर्व हमारे लिए एक उच्च-संभावनाओं वाला क्षेत्र बना हुआ है, और यह ऑर्डर हमारे उस रणनीतिक लक्ष्य को और मजबूत करता है जिसके तहत हम एक व्यापक और अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित इंजीनियरिंग संगठन में रूपांतरित हो रहे हैं। हम इस परियोजना को,छ्ष्ठहृष्ट के कड़े परिचालन मानकों के अनुरूप, सुरक्षित और कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इफको-टोकियो: 25 साल के भरोसे की नींव पर खड़ी होगी भविष्य के विकास की भव्य इमारत

अब 1000 कार्यालयों और 35,000 एजेंटों के के साथ लगभग 86 लाख पॉलिसी जारी कर चुकी है

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में शुमार इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (इफको-टोकियो जीआईसी) अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगाँठ मना रही है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के दौरान कंपनी आवश्यकतानुसार (कस्टमाइज्ड) पॉलिसी और भारत में सर्वोत्तम दावा निपटान दरों में से एक के साथ अपने ग्राहकों के जीवन में खुशियां फैलाने (मुस्कुराते रहो) के उद्देश्य के साथ काम कर रही है।

इफको और जापान के टोकियो मरीन ग्रुप के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित और सन 2000 में आईआरडीएआई से लाइसेंस प्राप्त करने के बाद इफको-टोकियो की यात्रा प्रत्येक व्यक्ति, घर और व्यवसाय के लिए बीमा को सुलभ बनाने के अटूट विश्वास और समर्पण का प्रतीक रही है। 25 साल पहले एक मामूली शुरुआत के साथ दशकों के विश्वास की नींव पर कंपनी अब 1000 कार्यालयों और 35,000 एजेंटों के के साथ लगभग 86 लाख पॉलिसी जारी कर चुकी है।

आईआरडीएआई की विभिन्न पहलों से प्रेरणा लेते हुए इफको-टोकियो ने कम कवरेज वाले समुदायों के लिए किफायती बीमा समाधान पेश किये हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कंपनी ने पैकेज पॉलिसियों, स्वास्थ्य और मोटर पॉलिसियों के लिए सूक्ष्म बीमा वितरित करने के लिए कई सहकारी समितियों के साथ समझौते किये हैं।

इफको-टोकियो जीआईसी की यादगार यात्रा और भविष्य के विजन पर प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री सुब्रत मंडल ने कहा, शुरुआत में हमारी प्राथमिकता वहनीय बीमा पॉलिसी थीं, लेकिन अब विजन का दायरा लोगों की आकांक्षाओं और मजबूत अर्थव्यवस्था के अनुरूप बड़ा हो गया है,साथ ही हम आईआरडीएआई के 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विश्वास, नवाचार और लचीलेपन को केंद्र में रखते हुए हमने मजबूत तकनीकी आधार स्थापित कर इफको-टोकियोअब विकास के परिवर्तनकारी अगले चरण में प्रवेश कर रही है, जिसका लक्ष्य भारत में ग्राहक-केंद्रित, नवोन्मेषी और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बीमा कंपनियों में से एक बनना है।

एथर एनर्जी ने इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने वालों के लिए "एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर" की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी ने दिसंबर में अपने माह भर चलने वाले अभियान का तीसरा संस्करण शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत दिसंबर में चुनिंदा एथर स्कूटर खरीदने वाले ग्राहकों को आकर्षक कैश डिस्काउंट, ईएमआई ऑफर और एक्सटेंडेड वॉरंटी प्रदान की जा रही है।

यह इस अभियान का तीसरा साल है, जो ऑटो उद्योग में ग्राहकों की एक आम समस्या को हल करने पर केंद्रित है। यह समस्या है ग्राहकों द्वारा साल के अंत में वैल्यू लॉस के डर से इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने के निर्णय को टालना। एथर ने इसके समाधान के लिए दिसंबर में स्कूटर खरीदने वालों को बेहतर मूल्य तथा हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की निरंतर कंपैटिबिलिटी प्रदान करने का भरोसा दिलाया है।

इस अभियान के अंतर्गत ग्राहकों को 20,000 रुपये मूल्य तक के बेनेफिट्स दिए जा रहे हैं, जिनमें क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर 10,000 रुपये तक की छूट और 10,000 रुपये का कैश डिस्काउंट शामिल है*। ये ऑफर एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, वनकार्ड, फेडरल बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा, स्केपिया, केनरा बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक और आरबीएल बैंक के कार्डधारकों को उपलब्ध हैं।

एथर के मौजूदा पोर्टफोलियो में 450 सीरीज़ के इलेक्ट्रिक स्कूटर परफॉर्मेंस के लिए बनाए गए हैं। रिज़्टा एथर का पहला फैमिली स्कूटर है। 450 सीरीज़ में एथर 450एक्स, 450एस, और 450 एपेक्स मॉडल आते हैं, जिनकी आईडीसी रेंज वैरिएंट के अनुसार 161 किलोमीटर तक है। इन स्कूटर्स में मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल, मैजिक ट्विस्ट, और कई कनेक्टेड टेक्नोलॉजी हैं, जिनमें गूगल मैप्स नैविगेशन, डैशबोर्ड पर व्हाट्सऐप, कॉल एवं म्यूज़िक कंट्रोल (450 एक्स और 450 एपेक्स मॉडलों में) शामिल हैं। रिज़्टा दो मॉडलों, रिज़्टा एस और रिज़्टा जैड में उपलब्ध है। यह वैरिएंट के आधार पर 159 किलोमीटर तक की आईडीसी रेंज प्रदान करता है, जो नए बाजारों में बहुत लोकप्रिय हो रहा है। इसमें राईडर के आराम के लिए बड़ी और आरामदायक सीट, 56 लीटर का स्टोरेज (34 लीटर का अंडरसीट स्टोरेज और 22 लीटर की वैकल्पिक फ्रंक एक्सेसरी) तथा विशाल फ्लोरबोर्ड स्पेस जैसी विशेषताएं हैं। रिज़्टा में स्किडकंट्रोल, फॉलसेफ, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल (ईएसएस) और थेफ्ट एंड टो अलर्ट जैसे सेफ्टी फीचर्स हैं। एथर कम्युनिटी डे 2025 के अवसर पर एथर ने रिज़्टा जैड में टचस्क्रीन फंक्शनैलिटी के साथ एक बड़ा अपग्रेड पेश किया था।

साझेदारी की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं

38 लाख शेयरों संग हलवासिया की कर्नाटक बैंक में एंट्री

मुंबई। निवेशक और उद्यमी आदित्य कुमार हलवासिया ने बाजार से बड़ी मात्रा में खरीदारी कर कर्नाटक बैंक में उल्लेखनीय हिस्सेदारी हासिल की है। बाज़ार विशेषज्ञ इसे निजी क्षेत्र के इस बैंक में उनकी लंबी और सार्थक साझेदारी की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं।

कर्नाटक बैंक इस समय अपने व्यवसाय और बैलेंस शीट में बड़े बदलावों के दौर से गुजर रहा है—अधिक सक्रिय प्रबंधन, मजबूत होती एसेट क्वालिटी, तकनीक में तेज़ उन्नति और संचालन में लगातार सुधार ने बैंक की रफ्तार को नया रूप दिया है। ऐसे समय में, जब बैंक अपने समकक्षों की तुलना में अब भी आकर्षक और किफायती मूल्यांकन पर उपलब्ध है, हलवासिया की यह खरीद बाजार पर्यवेक्षकों के अनुसार बैंक के चल रहे टर्नअराउंड पर एक उच्च-विश्वास वाली बाज़ी मानी जा रही है। यह कदम एक दिलचस्प रणनीतिक जुड़ाव की पृष्ठभूमि में भी सामने आया है- कर्नाटक बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं सीईओ फिलहाल टूरिज़्म फ़ाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के बोर्ड में हैं—वही संस्था जिसमें आदित्य कुमार हलवासिया सबसे बड़े शेयरधारक और निदेशक हैं। बोर्ड स्तर पर यह ओवरलैप बाज़ार में इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि हलवासिया वित्तीय सेवाओं के व्यापक परिदृश्य की गहरी समझ रखते हैं और ऐसी संस्थाओं को तरजीह देते हैं जिनमें मजबूत गवर्नेंस और ठोस विकास क्षमता हो। इस पूरे घटनाक्रम पर नज़र रखने वाले निवेशकों का मानना है कि कर्नाटक बैंक में यह प्रवेश केवल एक निवेश नहीं, बल्कि एक रणनीतिक सफ़र की शुरुआत हो सकता है।

एवीपी इन्फ्राकॉन का एच1 राजस्व 79 प्रतिशत बढ़ा, मुनाफ़ा 82 प्रतिशत उछला

चेन्नई। एवीपी इन्फ्राकॉन लिमिटेड –15 से अधिक वर्षों की उत्कृष्ट परियोजना निष्पादन क्षमता वाली देश की अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी–ने एच1 एफवाई26 के अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। एवीपी इन्फ्राकॉन लिमिटेड के एमडी, श्री प्रसन्ना धंदायुथपानी ने कहा-हमें एच1 एफवाई26 में अब तक का सबसे मजबूत अर्ध-वार्षिक प्रदर्शन प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। यह सफलता हमारी उत्कृष्ट कार्यान्वयन क्षमता और संचालन अनुशासन का परिणाम है। इस दौरान हाईवे, ब्रिज और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े लगभग 124 करोड़ के नए ऑर्डर मिले, जो ग्राहकों के विश्वास और तमिलनाडु से बाहर हमारे विस्तार को दर्शाता है। हमें उम्मीद है कि वर्ष की दूसरी छमाही में जैसे-जैसे अधिक परियोजनाएँ सक्रिय चरण में आएँगी, कार्य निष्पादन और तेज़ होगा।

छुट्टियों के मौसम के लिए मिलेंगे 6 मिलियन से अधिक स्टाईल

मिंत्रा का ईओआरएस-23 हुआ शुरू

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल डेस्टिनेशन, मिंत्रा की प्रमुख फैशन ईवेंट, एंड ऑफ रीज़न सेल (ईओआरएस) का 23वां संस्करण आज 5 दिसंबर से शुरू हो रहा है। इसमें 10,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और स्वदेशी ब्रांड्स के 6 मिलियन से ज्यादा स्टाईल्स उपलब्ध होंगे। इस बार ईओआरएस में ग्राहकों को हाई-क्वालिटी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल कलेक्शन 'प्राईस क्रैश' अभियान के अंतर्गत बेहतरीन मूल्यों में प्राप्त होगा। शॉपर्स तेजी से डिलीवरी पाना पसंद करते हैं, इसलिए मिंत्रा इस बार ईओआरएस के दौरान ग्राहकों को उनके ऑर्डर ज्यादा से ज्यादा तेजी से पहुँचाने वाला है। इसके लिए मिंत्रा ने अपनी सप्लाई चेन, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी को मजबूत बनाने में भारी

निवेश किया है ताकि फुलफिलमेंट को ऑप्टिमाईज़ किया जा सके। इससे ग्राहकों को मिंत्रा की सुविधाजनक और भरोसेमंद डिलीवरी स्पीड के साथ ईओआरएस के पूरे फायदे मिल सकेंगे। ईओआरएस में इस बार जिन श्रेणियों में तेजी रहने की उम्मीद है, उनमें महिला और पुरुषों के एथनिक वियर, ज्वेलरी और ब्यूटी एवं पर्सनल केयर शामिल हैं, जिन्हें शादियों के मौसम में बढ़ती मांग से मदद मिलेगी। सर्दियों के मौसम और ईयर-एंड जश्न के कारण महिला और पुरुषों के कैज़्युअल वियर, पार्टी वियर, विंटर वियर और होम की मांग भी रहेगी। वॉच और वियरेबल, ट्रैवल एसेंशियल्स, स्पोर्ट्स फुटवियर, किड्स वियर और गिफ्टिंग की श्रेणियों में भी अच्छी मांग रहने की उम्मीद है। ईओआरएस के दौरान जिन ब्रांड्स के लिए मांग मजबूत रहेगी, उनमेंएचएंडएम, मैंगो, लेवी, प्यूमा, नाइकी, एडिडास, गेस, यू.एस. पोलो एसोसिएशन, बीबा लिबास, एचआरएक्स, अनौक, दिवास बाई मान्यवर, टॉमी हिलफिगर, एल्डो, रेयर रैबिट, हाउस ऑफ पटौदी, एलन सोली, एसिक्स, ट्रेंडयोल,लैक्मे, मेबेलीन, रॉग्न, मैक, क्लीनिक, एस्टी लॉडर, स्मैशबॉक्स, बॉबी ब्राउन, हुडा ब्यूटी, विक्टोरिया सीक्रेट, यवेस सेंट लॉरेंट, लैंकोमे और वैलेंटिनो, मसाबा, रितु कुमार, कल्कि फैशन सिग्नेचर, मोंटे कार्लो, रेमंड होम, बॉम्बे डाइंग आदि शामिल हैं।

टाटा प्ले बिंज ने टाईम्स प्ले के साथ साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। टाटा प्ले बिंज ने टाईम्स नेटवर्क के डिजिटल ओटीटी प्लेटफॉर्म, टाईम्स प्ले के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के अंतर्गत टाटा प्ले बिंज के ग्राहक टाईम्स प्ले के माध्यम से हॉलिवुड फिल्में, वेब सीरीज़, शॉर्ट वीडियो, पिकल बॉल और सीधा प्रसारण करने वाले 11 टीवी चैनल एक ही स्थान पर देख सकेंगे। टाटा प्ले बिंज के ग्राहकों को टाईम्स नेटवर्क पर मौजूद मनोरंजन, जीवनशैली, व्यापार और समाचार एक ही सदस्यता शुल्क में प्राप्त होंगे। वो मनोरंजन और समाचार के लिए रोमेडी नाउ, मूवीज़ नाउ, एमएनएक्स, एमएन+, जूम, टाईम्स नाउ, टाईम्स नाउ नवभारत, ईटी नाउ, ईटी नाउ स्वदेश और पिकलबॉल नाउ जैसे प्रीमियम टीवी चैनल भी देख सकेंगे। टाईम्स प्ले पर प्रीमियम फिल्मों और सीरीज़, लघु फिल्मों और समाचार एवं समसामयिकी का विशाल संग्रह है।

उर्मिला मातोंडकर

ने मनीष मल्होत्रा की 'गुस्ताख इश्क' को बताया 'विश्व-स्तरीय' फिल्म

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा शुक्रवार को अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मंतोडकर ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने मनीष के काम और फिल्म की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर मनीष के घर हुई पार्टी की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'मिरेकल मैन' मनीष मल्होत्रा के साथ एक क्लासी और शानदार शाम थी। हर पल यादगार रहा। मनीष, आपने 'गुस्ताख इश्क' जैसी विश्व-स्तरीय फिल्म बनाकर सच में साबित कर दिया कि अगर इंसान लगातार मेहनत करे, सपने देखे और बिना रुके काम करे, तो चमत्कार सच में हो जाते हैं। आने वाला साल आपके लिए और भी सफलताओं और बेहद खास मुकामों से भरा हो। आपका हर दिन शानदार रहे।' मनीष मल्होत्रा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है, उन्होंने अपने करियर में कई सेलेब्स और नामी लोगों के लिए ड्रेस बनाई है और उन्होंने फिल्म 'गुस्ताख इश्क' से प्रोडक्शन में डेब्यू कर लिया है। विभु पुरी द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री फातिमा सना शेख और अभिनेता विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।

रूस में भी चला धर्मेंद्र का जादू, 1 ने बनाया ग्लोबल स्टार, दूसरी ने आयरन मैन

रूस में राज कपूर के बाद धर्मेंद्र का सितारा जिस चमक के साथ उभरा, वह किसी भी भारतीय सितारे के लिए गर्व की बात है. हिंदी सिनेमा के इस 'ही-मैन' ने न सिर्फ भारत में, बल्कि सोवियत संघ के दर्शकों पर भी ऐसा जादू चलाया, जिसकी मिसाल आज भी दी जाती है. उनकी दो फिल्मों ने ऐसा कमाल किया कि एक ने उन्हें ग्लोबल सुपरस्टार बना दिया तो दूसरी के सुपरहिट होते ही उन्हें लोगों में 'आयरन मैन' जैसा टैग दे दिया. धर्मेंद्र की लोकप्रियता ने भारत-रूस सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत किया और उन्हें सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय चेहरा बना दिया। रूस और भारत के रिश्ते सिर्फ राजनीतिक नींव पर नहीं टिके हैं, दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध भी हैं, जो इन रिश्ते को और मजबूत बनाते हैं. दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक रिश्ते बहुत पुराने हैं और उसका बहुत ज्यादा श्रेय हिंदी सिनेमा को भी जाता है. हिंदी सिनेमा के कुछ कलाकारों ने सोवियत संघ के बाजारों पर अपनी फिल्मों के जरिए छाप छोड़ी. उन्हीं में से एक एक्टर थे धर्मेंद्र देओल, जिनका निधन 24 नवंबर 2025 को उम्र संबंधी बीमारियों के बाद हुआ.

पति आदित्य की फिल्म 'धुरंधर' के रिलीज के दिन भावुक हुई

यामी गौतम

विवादों के बाद फाइनली रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, और सारा अर्जुन स्टारर फिल्म 'धुरंधर' फिल्म का निर्माण और डायरेक्शन दोनों ही आदित्य धर ने किया है। अब पति आदित्य के महत्वपूर्ण दिन पर यामी गौतम ने उनकी मेहनत को सराहा है और दर्शकों से भी फिल्म पर ढेर सारा आशीर्वाद लुटाने की अपील की है। यामी गौतम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति आदित्य के साथ एक प्यारा सा फोटो शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट में आदित्य की मेहनत का भी जिक्र किया है कि कैसे एक फिल्म बनाने में उन्होंने खुद को पूरा समर्पित कर दिया। उन्होंने लिखा, 'आज धुरंधर दिवस है। कुछ सबसे मेहनती और अनमोल लोग जिन्हें मैं जानती हूं और उन्हें अपना परिवार कहने पर गर्व करती हूं, आपने अपना पूरा दिल, समर्पण, लगन, इरादा, जुनून, पसीना, खून, आंसू इस फिल्म के लिए दिए हैं, आदित्य। ये इमोशन आपने कभी किसी के सामने नहीं दिखाए। उन्होंने आगे लिखा, 'आज बहुत सारी भावनाएं उमड़ रही हैं, कई दिल एक साथ धड़क रहे हैं, आप लोग अपनी शक्ति में धुरंधर हैं। धुरंधर 2025 का विदाई गिफ्ट नहीं है, बल्कि दुनिया भर में हम सभी इसे 2026 के स्वागत के रूप में देखेंगे। अब यह आपकी फिल्म है, दर्शकों। बता दें कि फिल्म 'धुरंधर' को बनाने में आदित्य धर ने लगभग 2-3 साल का वक्त लिया था। पहले उन्होंने फिल्म के लिए बहुत सारी रिसर्च की और फिर फिल्म की स्टारकास्ट को फाइनल करने में बहुत मेहनत की। फिल्म 'धुरंधर' का हर किरदार अपने आप में अलग है और सबकी कहानी भी अलग है।

लंदन के 'सीन्स इन द स्क्वायर' में शाहरुख-काजोल का स्टैच्यू

'सिमरन' संग पोज देते दिखे 'राज'

एक्टर शाहरुख खान और एक्ट्रेस काजोल की सुपरहिट फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' को इस साल रिलीज हुए 30 साल पूरे हो चुके हैं। इस खास मौके पर इस फिल्म को दुनिया के सबसे बड़े सम्मानों में से एक मिला है। लंदन के मशहूर लीसेस्टर स्क्वायर में 'सीन्स इन द स्क्वायर' स्टैच्यू ट्रेल में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज स्टैच्यू का अनावरण किया गया। यह पहली बार है जब किसी भारतीय फिल्म को यह सम्मान मिला है। शाहरुख खान ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस खास पल की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन भी दिया। तस्वीरों के साथ 'डीडीएलजे' के 'राज' ने लिखा, 'बड़े-बड़े देशों में, ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा।

अर्शी खान करेंगी निकाह, अफगान क्रिकेटर पर आया दिल, फरवरी में बनेंगी दुल्हन?

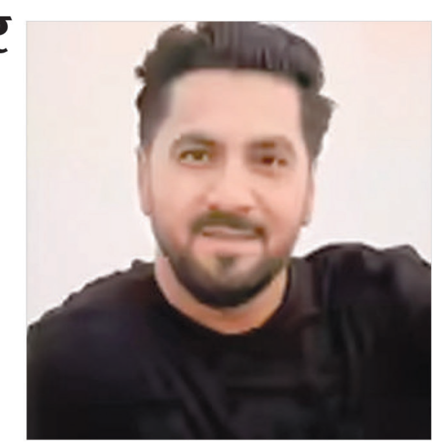

खबर है कि 'बिग बॉस 11' फेम अर्शी खान जल्द शादी करने जा रही हैं। वह अफगानी क्रिकेटर आफताब आलम को डेट कर रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों फरवरी में शादी कर सकते हैं। 'बिग बॉस 11' से चर्चा में आई एक्ट्रेस इस वक्त अपनी पर्सनल लाइफ के कारण सुर्खियों में हैं। अर्शी खान करियर से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही हैं। उनका नाम पहले डांसर ईशान मसीह के साथ जुड़ा था, और उससे पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी संग भी लिंक-अप की खबरें आईं। पर अब ऐसा लगता है कि अर्शी को उनका सच्चा प्यार मिल गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी खान और आलम काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और अब फरवरी 2026 में शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

प्राइम वीडियो लाएगा 'फोर मोर शॉट्स प्लीज़!' का आखिरी सीज़न, 19 दिसंबर को होगा प्रीमियर

प्राइम वीडियो ने आज ये ऐलान कर दिया है कि इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड ओरिजिनल सीरीज़ फोर मोर शॉट्स प्लीज़! के फाइनल सीज़न की ग्लोबल प्रीमियर डेट 19 दिसंबर होगी। साल के आखिर में ये शो धमाकेदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और हॉलिडे सीज़न के ठीक समय पर आ रहा ये आखिरी चैप्टर फैन्स के लिए एक परफेक्ट ईयर-एंडर ट्रीट जैसा है। ये इस फ्रेंचाइज़ का वो फाइनल सेलिब्रेशन है जिसमें फिर से वही गहरी चुभने वाली हंसी होगी, वो ड्रामा होगा जो दिल पर असर छोड़ देता है, वो शॉट्स जो रुकते नहीं और उन चार महिलाओं का अटूट बंधन जिन्होंने जिंदगी से एक चीज़ सीख ली है कि इसे जीने के लिए किसी भी तरह की रोकटोक नहीं होनी चाहिए। इस बार फिनाले में लीड रोल में सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू फिर से अपनी जगह पर नजर आएंगी। इनके साथ प्रतीक स्मिता पाटिल, मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, लीज़ा रे और अंकुर राठी भी अपने-अपने किरदार दोबारा निभा रहे हैं। वहीं इस सीज़न में डिनो मोरिया, अनसूया सेनगुप्ता और कुनाल रॉय कपूर भी कास्ट में नए नाम के तौर पर जुड़ रहे हैं। यह सीरीज़ प्रितीश नंदी कम्युनिकेशंस ने बनाई है, जिसे रंगिता प्रितीश नंदी और इशिता प्रितीश नंदी ने क्रिएट किया है। देविका भगत ने इसे डेवलप और लिखा है, जबकि संवाद इशिता मोइत्रा ने दिए हैं। फोर मोर शॉट्स प्लीज़! सीज़न 4 का निर्देशन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मत्यानी ने किया है। यह सीरीज़ 19 दिसंबर को इंडिया सहित दुनिया के 240 से ज़्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।यह सीरीज़ हमेशा से ही असली दोस्ती, बिन झिझक आज़ादी और औरतों की उस प्यारी-सी उलझन के बारे में रही है। लेकिन इस बार, इस फाइनल सीज़न में? हमारी पसंदीदा गैंग सिर्फ वापस नहीं आ रही, वे लौट रही हैं एक वादा लेकर... वो भी ऐसा वादा, जो सब पर भारी पड़े। परफेक्शन को भूल जाओ। सेफ़ खेलने को भूल जाओ। दामिनी, उमंग, अंजना और सिद्धि अब किसी रूलबुक को नहीं मानने वालीं। उन्हें देखो कभी ठोकर खाते हुए, कभी ज़मीन पर जोर से गिरते हुए, और फिर उसी से दस गुना ज़्यादा पागलपन, शरारत और रियलनेस के साथ दोबारा उठते हुए। ट्रैवल गोल्स? लेवल अप। दोस्ती? अपनी पूरी हद तक टेस्ट होने वाली। रोमांस? पहले से कहीं ज़्यादा उलझा हुआ। और सैस? बिल्कुल फ़ीयरलेस। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ़ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक ने कहा, 'फोर मोर शॉट्स प्लीज़! एक ऐसी ओजी सीरीज़ है जिसने ज़रूरी बातचीत शुरू की, लाखों दर्शकों को इंस्पायर किया और महिला-प्रधान कहानियों की सीमाओं को आगे बढ़ाया।'

(साभार एजेंसी)

कभी अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए थे, 'गली बॉय'

'मिर्जापुर' के बाद विजय वर्मा की चमकी किस्मत

विजय वर्मा ने भारतीय सिनेमा में अपने टैलेंट और दमदार एक्टिंग के दम पर मजबूत पहचान बनाई है। उनकी सफलता मेहनत, समर्पण और अलग-अलग प्रकार के किरदार निभाने की क्षमता का नतीजा है। उन्होंने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण और विविध भूमिकाएं निभाई, जिनमें उनकी गहराई और भावपूर्ण अभिव्यक्ति साफ झलकती है। विजय न केवल फिल्मी सेट पर बल्कि थिएटर और वेब सीरीज में भी अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं। उनकी संवेदनशील और स्वाभाविक एक्टिंग दर्शकों के बीच गहरा प्रभाव छोड़ती है, जिससे वे तेजी से इंडस्ट्री के प्रमुख कलाकारों में शुमार हो गए हैं। विजय वर्मा की रचनात्मकता और लगातार बढ़ती लोकप्रियता उन्हें भारतीय सिनेमा की नई पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा कलाकारों में एक बनाती है। उनके संघर्ष, मेहनत और कला के प्रति समर्पण ने उन्हें सफलता के शिखर पर पहुंचाया है।

'गली बॉय' बनी करियर का टर्निंग पॉइंट

उनके करियर का टर्निंग पॉइंट फिल्म 'गली बॉय' थी, जिसमें उन्हें काफी सराहना मिली। इस फिल्म में विजय वर्मा ने मोईन आरिफ (मोईन) नामक किरदार निभाया, जो एक महत्वपूर्ण सहायक भूमिका थी। इस किरदार के लिए विजय वर्मा को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले थे। इस फिल्म के बाद बाद उनके लिए कई नए दरवाजे खुले। हालांकि एक्टिंग की राह चुनने से पहले वे कॉल सेंटर में भी काम कर चुके थे, लेकिन फिर एक्टिंग में जाने की ठानी। मेहनत के बाद वे इस उद्योग में अपनी खास पहचान बनाने में सफल हुए।

नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म से डेब्यू

विजय वर्मा की एक्टिंग की शुरुआत थिएटर से हुई। 10वीं कक्षा में एक्टिंग में इंटरेस्ट जगा और कॉलेज पूरा करने के बाद वे थिएटर में सक्रिय हो गए। उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय में औपचारिक शिक्षा लेने के बाद कई साल थिएटर में बिताए और फिर राज एंड डीके की शॉर्ट फिल्म 'शोर' से फिल्मी करियर की शुरुआत की।

ऐसा भी दौर रहा जब सेट पर सम्मान नहीं मिलता था

विजय के करियर का सबसे बड़ा संघर्ष आर्थिक तंगी का दौर था, जब वे लगभग पूरी तरह से संघर्षरत थे और बैंक अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए बचे थे। इस कठिन समय में जीविका चलाने के लिए उन्हें छोटे-मोटे रोल स्वीकार करने पड़े। ऐसे ही एक मौका उन्हें एक रिपोर्टर के छोटे से रोल में मिला, जिसके लिए केवल 3,000 रुपए मिले। यह रोल उन्होंने फिल्म 'ए हिट मैन' में निभाया। हालांकि यह रोल अपनी प्रतिभा के लिहाज से मामूली था, पर स्थिति ऐसी थी कि इसे लेना ही पड़ा। विजय ने बाद में इस अनुभव को बेहद खराब बताया क्योंकि सेट पर उन्हें सम्मान नहीं मिला।

इतिहास दोहराने के करीब विराट कोहली

- 7 साल पहले किया था ये करिश्मा, अब सिर्फ 1 कदम दूर

विराट कोहली फिर करेंगे ये करिश्मा?

विराट कोहली ने इस सीरीज की शुरुआत 135 रनों की एक शानदार पारी के साथ की थी, जिसने टीम इंडिया को जीत भी दिलाई थी. वहीं, दूसरे मुकाबले में विराट ने 102 रनों की शतकीय पारी खेली, हालांकि इस मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा. दो लगातार शतक लगाकर वे अब उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां एक और शतक उन्हें क्रिकेट इतिहास के खास पन्नों में अलग जगह देगा.

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा. दोनों ही टीमों के लिए ये मैच करो या मरो जैसा होगा, क्योंकि सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है. इस मैच में सभी की नजर विराट कोहली पर रहने वाली है.

किंग कोहली एक बार फिर पुराने रंग में लौट आए हैं. लगातार दो मैचों में शतक जड़कर विराट कोहली ने साबित कर दिया है कि अगर फॉर्म में हों तो दुनिया का कोई भी गेंदबाजी आक्रमण उनके सामने बौना साबित होता है. सीरीज के आखिरी मैच में उनके पास 7 साल पुराना एक बड़ा कारनामा दोहराने का भी मौका है.

उनके पास वनडे क्रिकेट में शतकों की हैट्रिक लगाने का बड़ा मौका है. विराट कोहली ने अपने पूरे वनडे करियर में अब तक सिर्फ एक बार लगातार तीन शतक लगाए हैं. ये कारनामा उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था. अगर वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच में शतक ठोक देते हैं, तो यह उनके करियर में शतकों की दूसरी हैट्रिक होगी.

वनडे क्रिकेट के इतिहास में लगातार तीन शतकों की हैट्रिक लगाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, और इसे दो बार करना तो और भी खास. अभी तक सिर्फ पाकिस्तान के बाबर आजम ही यह कारनामा दो बार कर पाए हैं, उन्होंने पहली बार 2016 में और दूसरी बार 2022 में ऐसा किया था. अगर विराट यह कर दिखाते हैं, तो वे बाबर के साथ इस खास क्लब के दूसरे सदस्य बन जाएंगे.

विशाखापत्तनम से खास कनेक्शन

खास बात ये भी है कि विराट कोहली न जब साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ शतकों की हैट्रिक लगाई थी तो उसमें से एक शतक विशाखापत्तनम में ही जड़ा था. उन्होंने विशाखापत्तनम में खेले गए मैच में नाबाद 157 रन ठोके थे. अब 7 साल बाद इसी मैदान पर विराट के पास इतिहास दोहराने का मौका है.

दौसा की तनिका शर्मा बनी अंडर-19 विमेन चैंपियनशिप में टीम राजस्थान की उप-कप्तान

दौसा, एजेंसी। बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर-19 विमेन चैंपियनशिप के लिए दौसा की तनिका शर्मा को टीम राजस्थान का उप-कप्तान बनाया गया है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि तनिका शर्मा का चयन राजस्थान टीम में हुआ है और उनके उप-कप्तान बनने से जिले के लिए यह गौरव की बात है। उनके चयन पर डीसीए के पदाधिकारी शोभना गुर्जर, शिवचरण शर्मा, रतन चंद एडवोकेट, विनय जैन, हीरा लाल सैन ने तनिका को बधाई और शुभकामनाएं दी।

बीसीसीआई द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम गुरुवार को इंदौर रवाना हुई, जहां टीम को मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ की टीम से 4 प्रैक्टिस मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम त्रिवेंद्रम रवाना होगी, जहां टीम राजस्थान का पहला मुकाबला 19 दिसंबर को बड़ौदा के खिलाफ होगा। इस ग्रुप में राजस्थान के अलावा बड़ौदा, असम, गुजरात और दिल्ली की टीम शामिल है, जिसमें वन-डे मैच खेले जाएंगे। तनिका शर्मा के चयन से दौसा के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी क्रिकेट में प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

शेफाली वर्मा आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में, इन प्लेयर्स से मिलेगी चुनौती

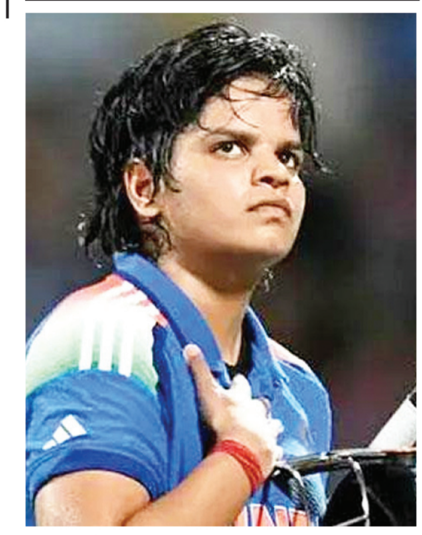

दुबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों ने बैंकॉक में पहली आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

यूएई की कप्तान ओझा ने सात टी-20 मैचों में 137.50 की स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए और सात विकेट लिए। उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। पुथावोंग 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही। उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ फाइनल में चार विकेट लेकर थाईलैंड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

भारत का नया चेस स्टारः 3 साल 7 महीने के सरवज्ञ का रिकॉर्ड, बने दुनिया के सबसे कम उम्र के रैपिड रेटेड खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरवज्ञ की यह उपलब्धि केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत में नई पीढ़ी शतरंज की दुनिया में क्रांति ला रही है। यदि यह गति बनी रही तो भविष्य में सरवज्ञ बड़े टूर्नामेंट्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते नजर आ सकते हैं।

जहां तीन साल के बच्चे खिलौनों में फर्क नहीं कर पाते, वहीं मध्य प्रदेश के छोटे से शहर सागर में रहने वाले सरवज्ञ सिंह कुशवाहा ने दुनिया को हैरान कर दिया है। मात्र तीन साल सात महीने और 13 दिन की

उम्र में वे दुनिया के सबसे कम उम्र के फीडे रैपिड रेटेड खिलाड़ी बन गए हैं। (अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ) की दिसंबर रेटिंग सूची में सरवज्ञ को 1572 की रैपिड रेटिंग मिली है, जो उनके आयु वर्ग के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं।

इससे पहले यह रिकॉर्ड अनिश सरकार के नाम था, जिन्होंने पिछले साल तीन साल 10 महीने की उम्र में फीडे रेटिंग हासिल की थी। लेकिन सरवज्ञ ने उससे भी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर इतिहास लिख दिया।

स्क्रीन टाइम कम करने के लिए शुरू हुआ सफर, अब विश्व रिकॉर्ड

सरवज्ञ की शतरंज की यात्रा बेहद दिलचस्प है। उनके माता-पिता ने उन्हें मोबाइल से दूर रखने के लिए शतरंज सिखाना शुरू किया। धीरे-धीरे इस खेल में उनकी रुचि बढ़ती गई और वह अभ्यास करने लगे। कुछ महीनों के भीतर सरवज्ञ ने इतनी महारत हासिल कर ली कि उनके माता-पिता ने उन्हें प्रतियोगिताओं में भाग दिलाना शुरू कर दिया।

शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स ने वेस्टइंडीज की न्यूजीलैंड के खिलाफ कराई वापसी

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में शुरुआती झटके लगने के बाद शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की दमदार बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की है। वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय वेस्टइंडीज ने 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे। 531 रन का लक्ष्य पाने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 72 के स्कोर पर अपने 4 शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को गंवा दिया। ऐसा लग रहा था कि मैच का फैसला जल्द आ जाएगा, लेकिन शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स ने शानदार और धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी की और दिन के बचे हुए ओवरों में न्यूजीलैंड को कोई और सफलता नहीं लेने दी।

होप और ग्रिव्स पांचवें विकेट के लिए अब तक 140 रन की साझेदारी कर चुके हैं। शाई होप ने बेहतरीन शतक लगाया। होप 183 गेंद पर 1 छक्का और 15 चौकों की मदद से 116 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं ग्रिव्स 143 गेंद पर 6 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी 8 विकेट पर 466 रन बनाकर घोषित की थी। कप्तान टॉम लैथम ने 145 और रचिन रवींद्र ने 176 रन की पारी खेली थी। वेस्टइंडीज के लिए केमार रोच ने 5, ओजे शिल्ड्स ने 2 और जायडन सिल्स ने 1 विकेट लिए। पहली पारी में मिले 64 रन की बढ़त के आधार पर न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का लक्ष्य दिया है।

नीलामी में हमारा फोकस

अनकैप्ड घरेलू खिलाड़ियों पर होगा: महेला जयवर्धने

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के लिए 16 दिसंबर को मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। मुंबई इंडियंस नीलामी में अपनी स्लॉट में खाली खिलाड़ियों की जगह भरने और टीम को संतुलित करने के लिए उत्साहित है।

टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि नीलामी में हम अनकैप्ड घरेलू खिलाड़ियों पर भी भरोसा जता सकते हैं। महेला जयवर्धने ने जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए कहा, 'मुंबई इंडियंस रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और तिलक वर्मा जैसे प्रभावशाली खिलाड़ियों के कोर ग्रुप पर भरोसा करती रहेगी। पिछले सीजन में ट्रेंट बोल्ट की वापसी से टीम की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

मिचेल सेंटनर और विल जैक्स जैसे खिलाड़ियों ने भी फ्रेंचाइजी की ताकत को बढ़ाया है।' उन्होंने कहा कि हमारे युवा खिलाड़ियों ने पिछले सीजन से काफी सुधार किया है और हमें उम्मीद है कि उन्हें इस साल अपनी स्किल्स दिखाने के मौके मिलेंगे। नीलामी में हमारी नजर घरेलू खिलाड़ियों पर रहेगी। नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस ने सात खिलाड़ियों कर्ण शर्मा, बेवॉन जैकब्स, मुजीब उर रहमान, विग्नेश पुथुर, केएल श्रीजीत, पीएसएन राजू, रीस टॉपली और लिजार्ड विलियम्स को रिलीज किया, जबकि अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड किया।

मुंबई इंडियंस ने पिछले सीजन खराब शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की थी और चौथे नंबर की टीम रहते हुए सीजन का समापन किया था। आईपीएल 2024 में टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम 14 में से 4 मैच जीतकर आखिरी स्थान पर रही थी। मुंबई इंडियंस ने आखिरी बार 2020 में खिताब जीता था।

2024 में इस उम्मीद से टीम ने हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया था कि वे खिताब जीताने में कामयाब होंगे। उस सीजन टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और फूट की खबरें आई थीं। 2025 में प्रदर्शन सुधरा लेकिन टीम खिताब नहीं जीत सकी। 2025 में मुंबई खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। बता दें कि सीएसके के साथ मुंबई इंडियंस लीग की सफलतम टीम है। दोनों टीमों ने 5-5 खिताब जीते हैं।

एफसी गोवा मुंबई सिटी को हराकर AIFF सुपर कप के फाइनल में पहुंचे

फातोरदा (गोवा) एजेंसी। एफसी गोवा ने यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक रोमांचक सेमीफाइनल में मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप फाइनल में जगह बनाई।

डिफेंडिंग चैंपियन को अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ी, लेकिन गुरुवार रात ब्रिसन फर्नांडिस (20') और डेविड टिमोर (23') के पहले हाफ में किए गए दो शुरुआती गोल ईस्ट बंगाल के साथ फाइनल मुकाबले के लिए काफी साबित हुए। मुंबई सिटी एफसी, जिसने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और ब्रैंडन फर्नांडिस के गोल से एक गोल कम किया, इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल से बाहर हो गई।

मैच शुरू होने से पहले ही काफी ड्रामा हुआ, जब एफसी गोवा के कप्तान इकर गुआररत्सेना को टनल में मैच से पहले हुई एक घटना के लिए बाहर कर दिया गया, और आखिरी मिनट में जेवियर सिवेरियो को स्टार्टिंग इलेवन में उनकी जगह शामिल किया गया। अपने लीडर को खोने के बावजूद गोवा ने अपना हौसला नहीं खोया और जीत हासिल की।

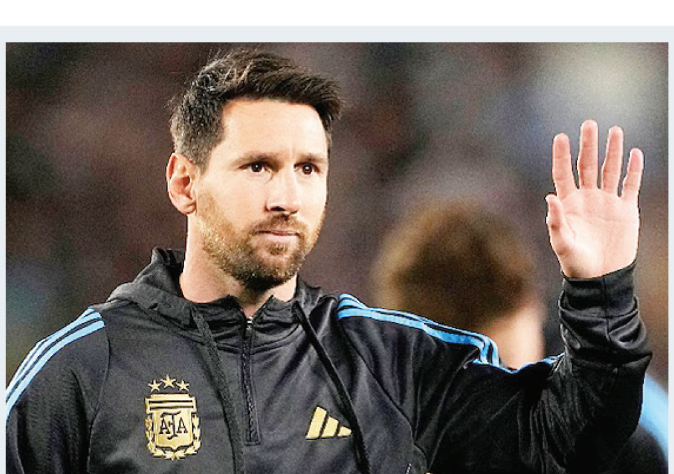

वर्ल्ड कप से पहले ही संन्यास लेंगे लियोनेल मेसी?

- दिग्गज फुटबॉलर के इस बयान से मची सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। लियोनेल मेसी का शुमार दुनिया के महानतम फुटबॉलर्स में किया जाता है. मेसी की कप्तानी में ही अर्जेंटीना ने 2022 का फीफा वर्ल्ड कप जीता था. तब मेसी ब्रिगेड ने फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में पराजित किया था. मेसी हालिया समय में भी जबरदस्त फॉर्म में रहे हैं. मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की टीम अगले फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई कर चुकी है. हालांकि फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी का फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलना अब भी पूरी तरह तय नहीं है. मेसी का मानना है कि अर्जेंटीना जब अपना टाइटल डिफेंड करने उतरेगा, तो वो या तो मैदान में या स्टैंड्स में जरूर मौजूद होंगे. 38 साल के मेसी पिछले कई मौकों पर आगामी वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर असमंजस जता चुके हैं. वॉशिंगटन डीसी में होने वाले वर्ल्ड कप ड्रॉ से पहले मेसी ने ईएसपीएन को खास इंटरव्यू दिया. इंटरव्यू के दौरन मेसी ने इस बात के कोई तगड़े संकेत नहीं दिए कि वो अगला वर्ल्ड कप खेलेंगे ही. लियोनेल मेसी ने बताया कि उनकी अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कोलोनी के साथ इस मुद्दे पर लगातार बातचीत हो रही है. मेसी ने कहा, 'सच कहूं तो हम इस बारे में काफी बात कर चुके हैं. स्कोलोनी समझते हैं और हमने इस पर कई बार चर्चा की है. उम्मीद है कि मैं वहां रहूं. पहले भी कहा है कि मैं रहना चाहता हूं. सबसे खराब स्थिति में भी मैं इसे लाइव देखने जरूर जाऊंगा क्योंकि ये हमेशा खास होता है. वर्ल्ड कप हर किसी के लिए खास होता है, लेकिन हमारे लिए इसका मतलब अलग ही स्तर का है.'

बंगाल में आज बाबरी की नींव रखने की तैयारी:

-निलंबित TMC विधायक के समर्थक सिर पर ईंट लेकर निकले; 3 हजार सुरक्षाबल तैनात

मुर्शिदाबाद/कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा क्षेत्र में शनिवार को एक संवेदनशील और चर्चित कार्यक्रम को लेकर भारी हलचल देखी जा रही है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखने की तैयारी कर रहे हैं। कार्यक्रम से पहले ही इलाके में तनावपूर्ण माहौल है और प्रशासन ने सुरक्षा के सख्त इंतज़ाम किए हैं। समर्थकों के सिर पर ईंटें लेकर निर्माण स्थल की ओर बढ़ने की तस्वीरें सुबह से सामने आने लगी हैं। बेलडांगा और आसपास के क्षेत्रों को पूरी तरह हाई अलर्ट पर रखा गया है। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य सरकार ने करीब 3 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की है। इनमें सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स (RAF), बीएसएफ और स्थानीय पुलिस की कई इकाइयां शामिल हैं। बेलडांगा और रानीनगर थाना क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बने। इस पूरे मामले में शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख भी अहम रहा। कोर्ट ने मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायालय ने यह साफ किया कि कार्यक्रम के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। कोर्ट के निर्देश के बाद प्रशासन ने हुमायूं कबीर की टीम के साथ बैठक कर आयोजन की रूपरेखा और सुरक्षा इंतज़ामों की समीक्षा की। हुमायूं कबीर ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने के मौके पर वे बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। इस घोषणा के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया था। पार्टी लाइन से अलग बयान और कदम उठाने के चलते TMC ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया। इसके बावजूद कबीर अपने फैसले पर अडिग हैं और उन्होंने कहा है कि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुसार ही आयोजित किया जाएगा। हुमायूं कबीर के मुताबिक, यह कार्यक्रम करीब 25 बीघा जमीन पर आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए 150 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा एक विशाल स्टेज तैयार किया गया है। स्टेज पर 400 से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने दावा किया है कि इस कार्यक्रम में तीन लाख से ज्यादा लोगों के जुटने की संभावना है, जिसमें देश-विदेश से धार्मिक नेता और समर्थक शामिल होंगे। खास बात यह है कि कुछ धार्मिक नेता सऊदी अरब से भी आने वाले हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं भी बेहद बड़े स्तर पर की गई हैं। आयोजन में आने वाले लोगों के लिए करीब 60 हजार से ज्यादा बिरयानी पैकेट तैयार कराए गए हैं। इसके अलावा 3 हजार से ज्यादा वॉलंटियर्स व्यवस्था संभालने के लिए तैनात किए गए हैं, जो भीड़ प्रबंधन, खाने-पीने और अन्य जरूरी इंतज़ामों की जिम्मेदारी निभाएंगे। कार्यक्रम स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग NH-12 के करीब स्थित है, ऐसे में ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रखने के लिए भी विशेष योजना बनाई गई है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, संवेदनशीलता को देखते हुए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया पर अफवाहों और भड़काऊ पोस्ट पर नजर रखने के लिए अलग से टीमें बनाई गई हैं। किसी भी तरह की गड़बड़ी पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह पूरा मामला केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके राजनीतिक और सामाजिक मायने भी बेहद गहरे हैं। एक तरफ राज्य सरकार और प्रशासन शांति बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहे हैं, तो दूसरी ओर सियासी दल इस मुद्दे को लेकर आमने-सामने हैं। हुमायूं कबीर का यह कदम TMC के भीतर भी असहजता पैदा कर चुका है, जिसका असर आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति पर पड़ सकता है। फिलहाल, सबकी निगाहें बेलडांगा पर टिकी हुई हैं। प्रशासन का दावा है कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए हर संभव कदम उठाए गए हैं। अब देखना होगा कि यह संवेदनशील आयोजन किस तरह संपन्न होता है और बंगाल की राजनीति में इसके क्या सियासी असर सामने आते हैं। इसके साथ ही प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी तरह की भड़काऊ नारेबाज़ी, हथियारों के प्रदर्शन या जबरन निर्माण की इजाज़त नहीं दी जाएगी। पूरे इलाके में धारा 144 जैसी सख्त निगरानी व्यवस्था लागू है और गड़बड़ी फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं और संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

रोहिंग्या पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर विवाद

-पूर्व जजों-वकीलों ने CJI को लिखा पत्र

नई दिल्ली। भारत में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। 2 दिसंबर को एक हैबियस कॉर्पस याचिका की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल उठाया था कि यदि कोई व्यक्ति गैर-कानूनी तरीके से भारत में प्रवेश करता है, तो क्या उसे "रेड कार्पेट वेलकम" दिया जाना चाहिए, जबकि देश के अपने नागरिक गरीबी और अभाव से जूझ रहे हैं। इसी टिप्पणी को लेकर पूर्व न्यायाधीशों, वरिष्ठ वकीलों और 'कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स' (CJAR) ने कड़ी आपत्ति जताई है। इस आपत्ति के तौर पर एक पत्र CJI सूर्यकांत को लिखा गया है, जिसमें कहा गया है कि रोहिंग्या समुदाय को लेकर की गई यह टिप्पणी अमानवीय है और भारत के संविधान में निहित मूल्यों के विपरीत है। पत्र में यह भी कहा गया है कि रोहिंग्या मुसलमानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया के सबसे अधिक उत्पीड़ित अल्पसंख्यक समुदायों में गिना जाता है। म्यांमार में लंबे समय से हो रहे अत्याचारों, हिंसा और नागरिकता से वंचित किए जाने के कारण बड़ी संख्या में रोहिंग्या शरणार्थी दूसरे देशों में शरण लेने को मजबूर हुए हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। पूर्व जजों और वकीलों ने अपने पत्र में इस बात पर जोर दिया है कि चाहे कोई व्यक्ति नागरिक हो या विदेशी, संविधान का अनुच्छेद 21 – जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है – भारत की जमीन पर मौजूद हर व्यक्ति पर लागू होता है। ऐसे में रोहिंग्या लोगों को भी इस अनुच्छेद के तहत संरक्षण मिलना चाहिए। पत्र में यह चेतावनी भी दी गई है कि अदालत की टिप्पणियां केवल कानूनी दायरे तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उनका सामाजिक और राजनीतिक असर भी दूर तक जाता है। पत्र के अनुसार, CJI केवल सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ही नहीं हैं, बल्कि वे गरीबों, वंचितों और हाशिए पर खड़े लोगों के अधिकारों के अंतिम संरक्षक भी माने जाते हैं। उनकी कही गई बातों का देश की सामूहिक सोच और सार्वजनिक विमर्श पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में प्रयोग की गई भाषा बेहद संतुलित, संवेदनशील और संविधानिक आदर्शों के अनुरूप होनी चाहिए। आपत्ति जताने वालों का कहना है कि रोहिंग्या शरणार्थियों को केवल "घुसपैठिया" बताकर देखना मानवीय संकट की जटिलता को नजरअंदाज करने जैसा है। गरीबी और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं वास्तविक हैं, लेकिन इनका समाधान कमजोर और उत्पीड़ित समुदायों को हाशिए पर धकेलकर नहीं निकाला जा सकता। न्यायपालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह संविधान के मानवीय चेहरे को मजबूत करे और मानवाधिकारों की रक्षा में नैतिक नेतृत्व प्रदान करे।

अनिल अंबानी ग्रुप पर ED की बड़ी कार्रवाई:

-₹1,120 करोड़ की नई संपत्तियां अटैच, कुल जब्ती ₹10,117 करोड़ पार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक बड़े मामले में अनिल अंबानी समूह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ₹1,120 करोड़ की नई संपत्तियां अटैच की हैं। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों की अब तक कुल ₹10,117 करोड़ की संपत्ति जब्त या अस्थायी रूप से अटैच की जा चुकी है। यह कार्रवाई शुक्रवार को की गई, जिसे हाल के वर्षों में कॉरपोरेट जगत से जुड़े सबसे बड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में से एक माना जा रहा है। ED के मुताबिक, इस बार जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें मुंबई के बॉलार्ड एस्टेट में स्थित रिलायंस सेंटर प्रमुख है। इसके अलावा, फिक्स्ड डिपॉजिट (FD), बैंक खातों में जमा राशि, अनलिस्टेड निवेश समेत कुल 18 संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया गया है। जांच एजेंसी ने इन संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत जब्त किया है, क्योंकि इन्हें कथित तौर पर अपराध से अर्जित धन से जोड़ा जा रहा है। ED ने अपनी कार्रवाई में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस पावर और रिलायंस वैल्यू सर्विसेज से जुड़ी संपत्तियों को भी फ्रीज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की 7, रिलायंस पावर की 2 और रिलायंस वैल्यू सर्विसेज की 9 संपत्तियां इस कार्रवाई के दायरे में आई हैं। इसके अलावा समूह की अन्य कंपनियों के फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश को भी अटैच किया गया है। इन कंपनियों में रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फाई मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। ED का कहना है कि इन कंपनियों के जरिए कथित तौर पर वित्तीय लेन-देन किए गए, जिनकी जांच मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से की जा रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बैंक से लिए गए कर्ज का इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया गया और क्या उस धन को दूसरी कंपनियों या निवेशों के जरिए इधर-उधर किया गया। इससे पहले भी ED अनिल अंबानी समूह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर चुका है। बैंक लोन फ्रॉड के मामलों से जुड़े अलग-अलग जांचों में एजेंसी पहले ही ₹8,997 करोड़ से अधिक की संपत्तियां अटैच कर चुकी है। इनमें रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस होम फाइनेंस से जुड़ी संपत्तियां शामिल हैं। ED का कहना है कि जांच अभी जारी है और आगे भी समूह से जुड़े वित्तीय लेन-देन की गहराई से पड़ताल की जाएगी। इस कार्रवाई ने न सिर्फ अनिल अंबानी समूह की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि देश के कॉरपोरेट सेक्टर में कर्ज, वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

राष्ट्रपति भवन में स्टेट डिनर:

-पुतिन ने चखी कश्मीरी अखरोट की चटनी, पीएम मोदी ने दिया चांदी का घोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन में 5 दिसंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में आयोजित स्टेट डिनर का आयोजन बेहद भव्य और खास रहा। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मेहमानों के स्वागत के लिए भारतीय क्षेत्रीय व्यंजनों से सजे मेन्यू का इंतज़ाम किया। यह डिनर पुतिन के दो दिवसीय भारत दौरे के अंत में आयोजित किया गया और इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्तों का प्रतीक माना गया। डिनर की शुरुआत दक्षिण भारतीय मुरुंगेकाई चारू सूप से हुई। यह हल्का और पौष्टिक सूप पुतिन के लिए स्वाद और सेहत का बेहतरीन मिश्रण था। इसके बाद स्टार्टर में कई खास भारतीय व्यंजन परोसे गए। इसमें कश्मीरी गुछी दून चेटिन शामिल था, जिसमें कश्मीरी अखरोट की चटनी के साथ मशरूम भरे गए थे। इसके अलावा काले चने के शिकमपुरी कबाब और वेज झोल मोमोज भी शामिल थे, जो भारतीय मसालों और स्वाद का अद्‌त संगम प्रस्तुत कर रहे थे। मेन कोर्स में पुतिन को वेज थाली परोसी गई। इस थाली में जाफरानी पनीर रोल, पालक-मेथी-मटर साग के साथ विभिन्न प्रकार की रोटियां शामिल थीं। यह थाली भारतीय व्यंजनों की विविधता और परंपरा को पूरी तरह दर्शा रही थी। इसके साथ ही मिठाई के तौर पर हलवा, कुल्फी और संदेश परोसे गए, जो भारतीय मिठास और संस्कृति का प्रतीक हैं। डिनर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन को छह खास उपहार भी दिए। इनमें चांदी का घोड़ा, मार्बल चेस और अन्य कलात्मक उपहार शामिल थे। ये उपहार दोनों देशों के बीच दोस्ताना रिश्तों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक माने जा रहे हैं। इस स्टेट डिनर का आयोजन केवल एक औपचारिक स्वागत नहीं था, बल्कि यह भारत की विविधता, पाककला की समृद्धि और सांस्कृतिक गरिमा को दर्शाने का भी एक माध्यम था।

महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद भवन में डॉ. अंबेडकर को PM मोदी की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को संसद भवन परिसर में भारतीय संविधान के निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनकी 70वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। संसद भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके महान योगदान को नमन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया मंच X पर भी एक भावपूर्ण संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा—

"महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को याद कर रहा हूं। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संविधानवाद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी।"

यह संदेश न केवल डॉ. अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी बताता है कि आज के भारत की लोकतांत्रिक बुनियाद उन्हीं मूल्यों पर टिकी है जिनके लिए बाबासाहेब ने संघर्ष किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय इतिहास की उन महान विभूतियों में से हैं, जिन्होंने सामाजिक भेदभाव, छुआछूत और असमानता के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। उन्होंने न केवल वंचित और शोषित वर्गों को आवाज़ दी, बल्कि उन्हें अधिकार दिलाने के लिए संवैधानिक रास्ता भी दिखाया। संविधान सभा की मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे संविधान का निर्माण किया, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कई अवसरों पर डॉ. अंबेडकर के विचारों और संघर्षों को प्रेरणास्रोत बताया है। उनकी सरकार ने बाबासाहेब से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों—महू, नागपुर, मुंबई, लंदन और दिल्ली—को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का काम किया है। यह प्रयास केवल स्मारक निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर की विचारधारा से जोड़ने की पहल भी है। महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों में संविधान, सामाजिक न्याय और समानता पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। आज के समय में जब लोकतंत्र, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों को लेकर कई तरह की चुनौतियां सामने हैं, डॉ. अंबेडकर की शिक्षाएं और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश इसी बात की याद दिलाता है कि न्याय, समानता और संविधान के प्रति निष्ठा ही भारत की ताकत है। डॉ. अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार हैं—ऐसा विचार जो हर भारतीय को बराबरी, सम्मान और अवसर की गारंटी देता है।

पुतिन का भारत दौरा:

-रक्षा सौदे नहीं, तेल सप्लाई और 19 समझौतों पर सहमति

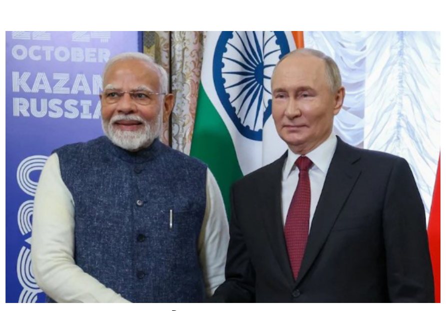

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा 27 घंटे का रहा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय वार्ता की और बिजनेस फोरम को संबोधित किया। हालांकि इस दौरे से पहले मीडिया में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि भारत और रूस के बीच SU-57 फाइटर जेट, S-400 डिफेंस सिस्टम और अन्य बड़े रक्षा सौदों की घोषणा हो सकती है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। दोनों देशों ने इस दौरे में बड़े रक्षा समझौतों पर किसी भी तरह का औपचारिक ऐलान नहीं किया। दौरे का मुख्य फोकस आर्थिक और ऊर्जा साझेदारी पर रहा। भारत और रूस ने कुल 19 समझौतों और सहमतियों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें तेल सप्लाई की गारंटी भी शामिल है। यह कदम भारत के ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, समझौतों में दोनों देशों के बीच व्यापार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाले विभिन्न पहलुओं पर सहमति बनी। हालांकि रक्षा सौदों पर औपचारिक घोषणा नहीं हुई, लेकिन दोनों देशों ने आपसी भरोसे और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। पुतिन के दौरे से यह संदेश गया कि भारत-रूस संबंध केवल सैन्य या राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसमें आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्र की स्थिरता भी अहम भूमिका निभा रही है। दौरे के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने दोनों देशों के साझा हितों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत और रूस अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक दृष्टि से और अधिक मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने चीन के अरुणाचल प्रदेश दावे का किया समर्थन, भारत ने किया खारिज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने एक बार फिर चीन के अरुणाचल प्रदेश पर दावे का खुलकर समर्थन किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने 5 दिसंबर को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े हर मुद्दे पर पाकिस्तान का लगातार और पूरा समर्थन रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान हर समय चीन के साथ खड़ा है और उसे पूरा समर्थन देता रहेगा। यह बयान चीन के हालिया दावे के संदर्भ में आया। 25 नवंबर को चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश, जिसे उन्होंने जांगनान कहा, उनका हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन ने कभी अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा नहीं माना। चीन का यह बयान भारतीय महिला पेम वांगजॉम थांगडॉक के साथ शंघाई एयरपोर्ट पर कथित बदसलूकी के आरोपों के सवाल पर आया था। चीन ने इस मामले में भी पेम के साथ बदसलूकी के आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया। भारत ने पाकिस्तान और चीन के इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भारत ने दोहराया कि किसी भी बाहरी बयान या समर्थन से इस सच्चाई में कोई बदलाव नहीं आता। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत अपनी संप्रभुता और सीमाओं की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान द्वारा चीन का समर्थन करना क्षेत्रीय राजनीति और सामरिक साझेदारी का हिस्सा है। हालांकि, भारत का रुख स्पष्ट है कि चीन और पाकिस्तान के दावों से भारत की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अरुणाचल प्रदेश पर भारत का नियंत्रण और प्रशासनिक ढांचा लगातार कायम है, और भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे अपना अभिन्न हिस्सा मानता है।

2000+ इंडिगो फ्लाइट कैंसिल, 3 लाख यात्री परेशान:

-सरकार बोली—गलती एयरलाइन की, होगा सख्त एक्शन

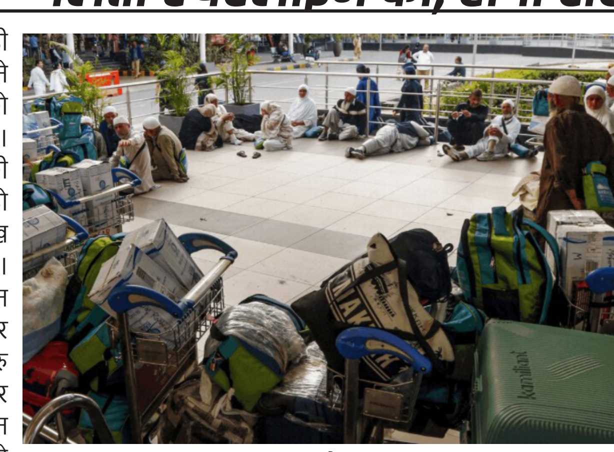

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इन दिनों अपने खराब ऑपरेशनल मैनेजमेंट को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में है। पिछले चार दिनों में इंडिगो की 2,000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हो चुकी हैं, जिससे करीब 3 लाख यात्री सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। शनिवार को लगातार पांचवें दिन भी स्थिति में कोई खास सुधार नजर नहीं आया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर रातभर यात्री फ्लाइट कैंसिलेशन और लेट होने की परेशानी से जूझते दिखे। जानकारी के मुताबिक, आने वाले आज और कल यानी शनिवार तथा रविवार को हालात और बिगड़ सकते हैं। इंडिगो की 25 से 30 फीसदी फ्लाइट्स के रद्द या लेट होने की आशंका जताई जा रही है। बीते चार दिनों के दौरान रोजाना औसतन 500 फ्लाइट्स देरी से संचालित हो रही हैं। वीकेंड पर यह संख्या 600 तक पहुंच सकती है, क्योंकि शनिवार और रविवार को आम दिनों के मुकाबले लगभग एक-तिहाई ज्यादा उड़ानें ऑपरेट की जाती हैं। यात्रियों की परेशानी केवल समय की नहीं, बल्कि आर्थिक और मानसिक तनाव की भी है। कई यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट्स मिस हो गईं, होटल बुकिंग बेकार हो गईं और जरूरी मीटिंग्स व पारिवारिक कार्यक्रम प्रभावित हुए। एयरपोर्ट्स पर फंसे यात्रियों की लंबी कतारें, हेल्प डेस्क पर हंगामा और सोशल मीडिया पर नाराजगी इसकी तस्वीर साफ तौर पर बयां कर रही है। इंडिगो का कहना है कि मौजूदा संकट के पीछे क्रू की कमी और नए Flight Duty Time Limitation (FDTL) नियम प्रमुख वजह हैं। एयरलाइन के अनुसार, फ्लाइट ऑपरेशन को पूरी तरह सामान्य होने में 15 दिसंबर तक का समय लग सकता है। कंपनी ने यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की है और यह भी कहा है कि वह वैकल्पिक फ्लाइट, रिफंड और री-शेड्यूलिंग की सुविधा उपलब्ध करा रही है। हालांकि, सरकार ने इंडिगो के इस तर्क को खारिज कर दिया है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने साफ कहा है कि नए FDTL नियम 1 नवंबर से लागू हैं, लेकिन किसी अन्य एयरलाइन को इस तरह की बड़ी ऑपरेशनल दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा। इससे स्पष्ट है कि समस्या नियमों की नहीं, बल्कि इंडिगो के अंदरूनी प्रबंधन और योजना की है। मंत्री ने यह भी कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो द्वारा की गई लापरवाही की गंभीर जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई तय है। नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) को पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इसमें जुर्माना, ऑपरेशनल पाबंदियां या अन्य सख्त कदम भी शामिल हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इंडिगो ने तेजी से नेटवर्क और फ्लाइट संख्या बढ़ाई, लेकिन उसके अनुरूप पायलट और केबिन क्रू की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की। इसके अलावा, रोस्टर प्लानिंग और बैकअप सिस्टम की कमजोर तैयारी भी मौजूदा संकट की बड़ी वजह बताई जा रही है। नई ड्यूटी लिमिट के तहत पहले से बेहतर प्लानिंग जरूरी थी, जो संभवतः समय पर नहीं की गई। यात्रियों का कहना है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन से इस तरह की अव्यवस्था की उम्मीद नहीं की जा सकती। कई लोगों ने सवाल उठाया कि जब अन्य एयरलाइंस नए नियमों के तहत सुचारू रूप से काम कर रही हैं, तो इंडिगो ही क्यों लगातार फ्लाइट कैंसिल कर रही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,